PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 290 ● भिलाई, शनिवार 30 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रविवार को 8 घंटे के लिए पूरी तरह बंद रहेगा विद्यासागर सेतु

कोलकाता। रखरखाव कार्य के लिए रविवार को दूसरा हुगली सेतु (विद्यासागर सेतु) आठ घंटे के लिए बंद रहेगा। उस दिन सुबह छह बजे से दोपहर दो बजे तक इस पुल पर सभी प्रकार के यातायात को पूरी तरह से बंद करने का निर्णय लिया गया है। आज प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पुल का आपातकालीन स्वास्थ्य जांच और केबल और अन्य यांत्रिक बुनियादी ढांचे के मरम्मत के लिए अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। आठ घंटे के इस पुल के बंद होने के कारण कोलकाता और हावड़ा के बीच यात्रा करने वाले आम लोगों को वैकल्पिक मार्ग लेने या निवेदिता सेतु और हावड़ा पुल का उपयोग करने की सलाह दी गई है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे इस तय समयावधि के दौरान विद्यासागर सेतु के बजाय वैकल्पिक मार्गों (जैसे हावड़ा ब्रिज या बाली निवेदिता सेतु) का इस्तेमाल करें, ताकि वे ट्रैफिक जाम से बच सकें और समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

अवैध घुसपैठियों को अब वापस जाना होगा : दिलीप घोष

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के लिए वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने एक बार फिर घुसपैठ के प्रति शून्य सहिष्णुता की बात दोहराई है। आज सुबह संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशियों को बुलाया गया, सरकारी सुविधाएं दी गईं, भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र भी दिए गए। लेकिन हमारी सरकार ने फैसला किया है कि किसी भी विदेशी को कोई सुविधा या यहां रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हम उम्मीद करते हैं कि जो लोग अवैध रूप से यहां आए हैं, वे अपने देश वापस चले जाएंगे। वे सभी सरकारी लाभों का लाभ उठाना बंद कर देंगे। दिलीप घोष ने कहा कि तृणमूल ने अवैध बांग्लादेशियों के लिए अवैध कागजी कार्रवाई की, इन सभी को अब वापस जाना होगा। ईद के दौरान यातायात के मुद्दे पर मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि हर किसी को त्योहार मनाने का अधिकार है, लेकिन यह दूसरों के दैनिक जीवन में बाधा नहीं बनना चाहिए। हमारी सरकार ने फैसला किया है कि कोई भी जश्न मनाने के लिए पुलिस को आवेदन कर सकता है

राज्यपाल ने स्वीकार किया सिद्धारमैया का इस्तीफा

मंत्रिपरिषद तत्काल प्रभाव से भंग! शपथ ग्रहण की तैयारी

कर्नाटक/ एजेंसी

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद को भी तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। इसी के साथ राज्य में शपथ ग्रहण की तैयारियां तेज हो गई है। राज्यपाल कार्यालय की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सिद्धारमैया ने 28 मई 2026 को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंपा था। राज्य में मौजूद न होने के कारण राज्यपाल ने इसे 29 मई 2026 को स्वीकार कर लिया। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने संविधान के अनुच्छेद 164(1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्णय लिया। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सिद्धारमैया को लिखे पत्र में कहा, मैंने आपके द्वारा प्रस्तुत इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। जब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक आप कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते रहें। कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को भेजे गए पत्र में राज्यपाल के विशेष सचिव आर. प्रभु शंकर ने कहा कि संबंधित अधिसूचना के तहत सिद्धारमैया का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है और उनकी मंत्रिपरिषद भंग कर दी गई है। राज्यपाल द्वारा जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि सिद्धारमैया तब तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहेंगे, जब तक नए मुख्यमंत्री के चयन और शपथ ग्रहण

की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। सिद्धारमैया के इस्तीफा देने के बाद कर्नाटक में सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस विधायक दल की बैठक जल्द बुलाए जाने की संभावना है, जिसमें नए नेता का चुनाव किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच नेतृत्व को लेकर लंबे समय से चल रही खींचतान इस घटनाक्रम की एक प्रमुख वजह मानी जा रही है। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि पार्टी हाईकमान की सलाह पर सिद्धारमैया ने इस्तीफा सौंपा है। अब नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम फैसला दिल्ली में पार्टी नेतृत्व द्वारा लिए जाने की संभावना है। हालांकि, डीके शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। इस बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और जल्द ही मुख्यमंत्री बनने वाले डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को सिद्दारमैया को लेकर एक भावुक पोस्ट किया है। पोस्ट में उन्होंने सिद्धारमैया को ताकत का एक स्तंभ बताया है। शिवकुमार ने सिद्दारमैया के मैसूर के गांव से निकलकर मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचने के सफर को जूनून और समाज के प्रति प्रतिबद्धता के सबसे बेहतरीन उदाहरणों में से एक बताया। उन्होंने लिखा, जब से 2020 में मुझे प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के तौर पर सेवा करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी।

लोगों के दिलों में बसे सिद्धारमैया-डीके......

शिवकुमार ने कहा- कर्नाटक के राजनीतिक इतिहास में सबसे सफल, प्रभावशाली और सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धारमैया लोगों के दिलों में बसे हैं, और भारतीय राजनीति के एक कद्दावर नेता हैं। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के विकास में- जन-हितैषी परियोजनाओं से लेकर जन-कल्याणकारी कार्यों तक-उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनका लगभग पचास वर्षों का विशाल राजनीतिक अनुभव, सामाजिक सरोकार और जन-हितैषी परियोजनाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी।

आठ घंटे में पहुंचें वैष्णो देवी

दिल्ली और कटरा एक्सप्रेसवे को मोदी सरकार की मिली मंजूरी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे को मोदी सरकार ने मंजूरी दे दी है। यह एक हाई-स्पीड कॉरिडोर होगा, जो दिल्ली को हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से जोड़ेगा। इसका नाम दिल्ली-कटरा एनई-5 एक्सप्रेसवेहोगा। छह-लेन वाले इस कॉरिडोर की अनुमानित लागत 1,500 करोड़ रुपये है। इसे मार्च 2027 तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्र की मोदी सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 के तहत इस परियोजना को राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में शामिल करने की अधिसूचना जारी कर दी है। इस

एक्सप्रेसवे के बनने से उत्तर भारत में सड़क संपर्क मजबूत होगा। इसके बनने से दिल्ली से सिर्फ आठ घंटे में वैष्णो देवी पहुंच सकेंगे। अभी फिलहाल 10 से 14 घंटे लगते हैं। यह एक्सप्रेसवे दिल्ली में रानी खेड़ा गांव के पास एनएच-344एम से शुरू होगा और जसौर खेरी गांव के पास कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। एक्सप्रेसवे बनने के बाद हरियाणा से जम्मू-कटरा की यात्रा में काफी समय कम होने की उम्मीद है। माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं और ट्रांसपोर्ट कारोबार को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलने की संभावना है। इससे जम्मू कश्मीर में धार्मिक पर्यटन को विशेषकर श्रीमाता वैष्णो देवी भवन और उसके आस पास के क्षेत्रों में स्थित धर्मस्थलों व अन्य पर्यटन स्थलों के विकास, प्रचार-प्रचार को भी एक नयी गति और मजबूती मिलेगी। यह मार्ग श्री माता वैष्णो देवी के दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा को और अधिक सुगम व तेज बनाएगा।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रक से टकराई बस, ड्राइवर समेत दो की मौत

लखनऊ । सुबह करीब 4:30 बजे एक स्लीपर बस गोंडा से यात्रियों लेकर दिल्ली जा रही थी। पुलिस ने बताया कि सुबह के समय बस चालक को नींद की झपकी आई जिससे माइल स्टोन 83 किमी पर चालक अचानक गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा और बस आगे चल रहे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर लगने के बाद बस में मौजूद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। चालक स्टेयरिंग के बीच फंस कर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के समय बस में करीब 60 से 70 यात्री सवार थे। जिस ट्रक से बस टकराई उसमें चावल भरा हुआ था ।

पॉक्सो मामले में मिली राहत

अब जेल नहीं जाएंगे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद-सुको....

नई दिल्ली/ एजेंसी

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज में नाबालिग यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े पॉक्सो मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत देने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद को राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफदायर याचिका को खारिज कर दिया

है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने यह याचिका पॉक्सो एक्ट के तहत शिकायत के साथ दायर की थी, जिसमें उन्होंने नाबालिग छात्रों के यौन शोषण का आरोप लगाया था। इस मामले में 25 मार्च 2026 को इलाहबाद हाई कोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की सिंगल बेंच ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य की अग्रिम जमानत पर फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ दोनों को गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। इस फैसले पर शंकराचार्य के समर्थकों का कहना था कि यह सत्य की जीत है। इस फैसले के खिलाफ शिकायतकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट से भी शिकायकर्ता आशुतोष ब्रम्हचारी को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को रद्द करने से इनकार कर दिया है।

अरविंद केजरीवाल का बड़ा दावा

आप कार्यकर्ताओं को आ रहे आईबी के फोन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक गंभीर मुद्दा उठाते हुए दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की ओर से फोन कॉल करके वेरिफिकेशन किया जा रहा है। उन्होंने इस प्रक्रिया की वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके पीछे कौन सा कानून है, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने खुद भी उस नंबर पर कॉल किया और पूछा कि क्या कॉल करने वाला व्यक्ति आईबी से है, जिस पर उन्हें सकारात्मक जवाब मिला। इसके बाद उन्होंने पूछा कि

किस कानून के तहत यह वेरिफिकेशन किया जा रहा है, लेकिन कथित तौर पर कॉल काट दी गई और उसके बाद से उस नंबर पर कोई जवाब नहीं मिल रहा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि इस तरह की कॉल्स उनके कार्यकर्ताओं को लगातार आ रही हैं।

कूकदा पिकअप वियर में डूबने से युवक-युवती की मौत, दोस्तों संग पहुंचे थे पिकनिक मनाने

गरियाबंद। जिले के पैरी नदी पर बने कूकदा पिकअप वियर में पिकनिक मनाने पहुंचे रायपुर के युवक-युवती की डूबने से मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ, जब युवती नहाते समय गहरे पानी में चली गई और उसे बचाने उतरा युवक भी नदी की तेज गहराई में समा गया। काफी तलाश के बाद दोनों के शव बरामद किए गए। जानकारी के मुताबिक, रायपुर के शंकर नगर इलाके से चार दोस्त रविवार दोपहर गरियाबंद घूमने पहुंचे थे। सभी ने कूकदा पिकअप वियर के पास भोजन किया, जिसके बाद वे चेकडैम में नहाने उतरे। इसी दौरान 22 वर्षीय सिंपी सक्सेना अचानक गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी।

देश में इबोला का एक भी मामला नहीं

छत्तीसगढ़ में इबोला को लेकर अलर्ट....रायपुर एयरपोर्ट आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग शुरू

रायपुर। लोगों की इबोला वायरस को लेकर बढ़ती चिंता के बीच छत्तीसगढ़ में सावधानी बरती जा रही है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग ने बाहरी राज्यों और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की अनिवार्य जांच शुरू कर दी है। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट माना में अलर्ट जारी कर दिया गया है। यहां आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग शुरू हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश पर एयरपोर्ट और अन्य प्रवेश केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। संचनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ ने एक आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि इबोला संक्रमण की रोकथाम यात्रियों की स्वास्थ्य जांच और आवश्यक प्रबंध व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एयरपोर्ट परिसर में

एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये। नोडल अधिकारी का यह दायित्व होगा कि वह एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग व्यवस्था का समन्वय करेगा। इसके अलावा संदिग्ध मामलों की पहचान कर संबंधित स्वास्थ्य विभाग को तत्काल सूचना देना, आइसोलेशन रेफरल एवं आपातकालीन प्रबंधन की व्यवस्था भी वह सुनिश्चित करना होगा। संचनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ ने भविष्य में इबोला संक्रमण को देखते हुए प्रदेश के सर्विलेंस अधिकारी एवं उपसंचालक द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। इबोला वायरस एक अत्यधिक जानलेवा और संक्रामक बीमारी है, जो गंभीर हेमोरेजिक फीवर का कारण बनती है। यह संक्रमित व्यक्ति या जानवर के शारीरिक तरल पदार्थ जैसे खून, लार, पसीना और उल्टी के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। भारत सरकार ने एहतियात के तौर पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित कई प्रमुख एयरपोर्ट्स पर थर्मल स्क्रीनिंग और कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हाल ही में कहा कि फिलहाल भारत में इबोला का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

देश में आपातकालीन सेवाओं के लिए सिर्फ एक हेल्पलाइन नंबर 112 पूरी तरह लागू किया जाए...

नई दिल्ली। एजेंसी

अब 100, 101, 102, 108 और 1091 जैसे अलग-अलग इमरजेंसी नंबरों के झंझट से लोगों को राहत मिलने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा है कि पूरे देश में आपातकालीन सेवाओं के लिए सिर्फ एक हेल्पलाइन नंबर 112 को पूरी तरह लागू किया जाए। 'सेव लाइफ फाउंडेशन' की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे अगले तीन महीने के भीतर 112 नंबर को पूरी तरह ऑपरेशनल करें। कोर्ट ने कहा कि ट्रॉमा के समय तुरंत इलाज मिलना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सड़क हादसे या किसी गंभीर आपात स्थिति में घायल व्यक्ति सदमे और घबराहट में होता है। ऐसे समय में मदद मिलने में हर मिनट की देरी उसकी जान के लिए खतरा बन सकती है। अदालत ने साफ कहा तेजी ही जीवनरक्षक दवा है। कोर्ट ने यह भी माना कि कई लोग घायल

की मदद करना चाहते हैं, लेकिन पुलिस पूछताछ, कोर्ट-कचहरी और कानूनी परेशानियों के डर से पीछे हट जाते हैं। इसलिए राज्यों को प्रभावी 'गुड समैरिटन' शिकायत निवारण व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया गया है, ताकि मदद करने वालों को परेशान न किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि सरकारी और निजी सभी एंबुलेंस को AIS-125 मानकों के अनुसार GPS और Vehicle Location Tracking Device (VLTD) से लैस किया जाए। इन सभी को 112 हेल्पलाइन से रियल-टाइम में जोड़ा जाएगा, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत लोकेशन ट्रैक कर मदद पहुंचाई जा सके। अदालत ने कहा कि ट्रॉमा देखभाल और समय पर इलाज, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत 'जीवन के अधिकार' का हिस्सा है। केंद्र सरकार को ट्रॉमा मामलों के लिए मेडिकल रेस्क्यू प्रोटोकॉल जारी करने और राज्यों को उसे लागू करने के निर्देश भी दिए गए हैं। लाइव लॉ में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि पूरे देश में मजबूत ट्रॉमा केयर सिस्टम विकसित करें। इसके अंतर्गत सभी इमरजेंसी हेल्पलाइन सेवाओं को 112 में ही एकीकृत करें। साथ ही, पीएम राहत कैशलेस उपचार योजना को अच्छे से लागू करें।

ट्रायल्स में हिस्सा लेने को हरी झंडी

विनेश फोगाट की सुप्रीम कोर्ट में जीत

नई दिल्ली। चर्चित महिला पहलवान विनेश फोगाट को सुप्रीम कोर्ट में बड़ी जीत मिली है। शीर्ष अदालत ने उन्हें एशियन गेम्स के लिए होने वाले सिलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी फोगाट के पक्ष में फैसला दिया था लेकिन उसे रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने स्ट में चुनौती दी थी। जानी-मानी महिला पहलवान विनेश फोगाट को सुप्रीम कोर्ट में बड़ी जीत मिली है। शीर्ष अदालत ने उन्हें एशियन गेम्स के लिए होने वाले ट्रायल्स में हिस्सा

लेने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी फोगाट के पक्ष में फैसला दिया था लेकिन उसे रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को डब्ल्यूएफआई की याचिका को खारिज कर दिया।

पत्रकार आनंद साहू ने दिया ईमानदारी का मिसाल

30 लाख रुपए के सोना-चांदी का आभूषण सहित नगद 38 हजार रुपए थाना में किया जमा

बेमेतरा। वर्तमान दौर में जहां लोग छोटी बड़े चीजों को भी लालच में आकर कब गबन कर जाते हैं किसी को पता नहीं चलता। वहीं बेमेतरा जिला मुख्यालय के पत्रकार आनंद साहु ने ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और नैतिकता मूल्यों का परिचय देते हुए मानवता की एक अनोखी मिसाल पेश किया। सिटी प्रेस क्लब बेमेतरा के सचिव आनंद साहु को 27 मई को प्रातः लगभग साढ़े चार बजे एक लावारिस हालत में एक लेदर का बैग मिला। बैग की जांच करने पर उसमें करीब 30 लाख रुपये मूल्य के सोना-चांदी के आभूषण एवं लगभग 38 हजार रुपये नगद पाए गए। इतनी बड़ी रकम और कीमती सामान मिलने के बावजूद आनंद साहु ने ईमानदारी का परिचय देते हुए बिना किसी देर किए उक्त बैग को तत्काल सिटी कोतवाली थाना बेमेतरा में सुरक्षित जमा करा दिया। आनंद साहु के इस सराहनीय कार्य की पूरे शहर में प्रशंसा हो रही है। लोगों का कहना है कि आज के समय में ऐसी ईमानदारी बहुत कम देखने को मिलती है। उनका यह कदम समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश है कि सच्चाई और ईमानदारी जिंदा है। सिटी प्रेस क्लब सहित सामाजिक संगठनों, पत्रकार साथियों एवं नगरवासियों ने आनंद साहु को उनके इस उत्कृष्ट कार्य के लिए हार बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

क्या-क्या था बैग में

थाना में बैंक को सुपुर्द करने के बाद बैग को खोला गया, जिसमें कुल नगदी रकम 37150 था। इसके अलावा 8 नग पतला पत्ती, सोने का 9 नग ताबीज, 4 नग सोने का पट्टी, आठ नग भगवान वाले पत्ती सोने का, एक नग पेंडल सोने का, 16 नग कान का टॉप्स सोने का, 14 नग चांदी का सिक्का। छोटा बड़ा था सोने के आभूषणों का वजन लगभग 200 ग्राम बताया गया है।

कारीगर भूल गया था बैग को दुकान के बाहर

इस संबंध में विजय कुमार सोनी पिता नंदकुमार सोनी गोविंद विहार निवासी बेमेतरा ने लिखित में सिटी कोतवाली पुलिस थाना में लिखित में बताया कि वह सोने चांदी के कारीगरी का काम करता है बीते 26 मई को दिन मंगलवार को रात 9:00 बजे कत्था रंग एक लेदर बैग अपने रकम तथा सोने के सामान सहित अशोक मोटर्स दुकान के बाहर रखकर भूल गया था। इस संबंध में कोतवाली पुलिस थाना के टीआई सोनम ज्वाला द्वारा पूछताछ एवं जांच किया गया। उसके बाद नगद राशि सहित सोने चांदी के गहना को एसडीओपी भूषण एक्का के उपस्थिति में विजय कुमार सोनी को सौंपा गया।

डीआईजी साहु ने किया सम्मान

शाम को डीआईजी रामकृष्ण साहु पत्रकार आनंद साहु गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित करते हुए बधाई दिए और शुभकामनाएं व्यक्त किए। इस अवसर पर सिटी प्रेस क्लब बेमेतरा अध्यक्ष दिनेश दुबे, सर्राफ एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील शर्मा, विजय सोनी, श्रीराम देवांगन, विट्ठल सोनी, अशोक सोनी रामगोपाल साहु सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस भवन बेमेतरा में पंडित नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

बेमेतरा। बेमेतरा। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के शिल्पकार जवाहर लाल नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज पुराना कांग्रेस भवन, भारत माता चौक बेमेतरा में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने पंडित नेहरू के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी एवं उनके विचारों एवं योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा जी ने कहा कि, देश निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं आधुनिक भारत की नींव रखने में पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने देश को वैज्ञानिक सोच, औद्योगिक विकास, शिक्षा एवं लोकतंत्र की मजबूत दिशा प्रदान की। उनके आदर्श एवं विचार देशवासियों को प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, शहर कांग्रेस कमेटी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, किसान कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई, अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रकोष्ठ, अल्पसंख्यक कांग्रेस सहित कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों एवं पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कांग्रेसजनों ने पंडित नेहरू जी के बताए मार्ग पर चलकर देशहित एवं जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंगत साहू मिथलेश वर्मा रश्मि मिश्रा रीता पांडे जनता साहू शकुंतला साहू हेमिन यादव राजू साहू सुमन गोस्वामी ललित विश्वकर्मा शिव वर्मा नारायण छाबड़ा मनोज शर्मा प्रतीक दुबे अजय राज सेन चितरेन वर्मा प्रकाश ठाकुर रवि रजक बलवंत साहू राजेश नवरंगे खुबचंद चंद्राकर भीखम साहू घनश्याम देवांगन सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के सामुहिक विवाह में बेमेतरा के विधायक करेंगे विवाह

बेमेतरा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के सामुहिक विवाह में बेमेतरा के विधायक दीपेश साहु एक आम जन की तरह विवाह करेंगे बेमेतरा में छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को आम जन तक पहचान बनाने के लिए बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने स्वयं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुऐ अनुकरणीय पहल करते हुए इसी योजना के तहत स्वयं विवाह करने का निर्णय लिया है। जो आने वाले समय के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही विधायक के इस निर्णय की पूरे जिले सहित प्रदेशभर में जमकर चर्चा हो रही है। विधायक दीपेश साहु ने तरुणा साहु के साथ विवाह आगामी 31 मई को नगर के बेसिक स्कूल मैदान में भव्य सामूहिक विवाह समारोह में करेंगे, जहां विधायक दीपेश साहू सहित कुल 24 जोड़ों का विवाह संपन्न होगा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक दीपेश साहू का यह कदम समाज में सादगीपूर्ण विवाह, फिजूलखर्ची पर रोक और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। आमतौर पर जनप्रतिनिधियों के भव्य आयोजनों के बीच विधायक का यह निर्णय जनता के बीच सकारात्मक संदेश दे रहा है। इस सामुहिक विवाह सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु सायं विधानसभा अध्यक्ष रमण सिंह सहित कई कैबिनेट मंत्री आने की संभावना है इस लिए इस कार्यक्रम को वृहद स्तर पर मनाने की तैयारी जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में इस पहल को जनप्रतिनिधि द्वारा जनता की योजना को खुद अपनाने की बड़ी मिसाल माना जा रहा है। लोगों का कहना है कि इससे मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को नई पहचान मिलेगी और जरूरतमंद परिवारों को भी प्रेरणा मिलेगी। समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रहने की संभावना है। पूरे आयोजन को भव्य एवं यादगार बनाने जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

विधायक निधि के कार्य में ठेकेदार की मनमानी प्लिंथ लेवल का कार्य, संपूर्ण राशि का आहरण

नगर पंचायत डोंगरगांव में ठेकेदारों का दबदबा कायम

डोंगरगांव नगर। नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड 9 करियाटोला स्थित माड़िया देव परिसर में स्वीकृत बाउंड्री वॉल निर्माण में ठेकेदार की मनमानी व नगर पंचायत की लापरवाही उभरकर सामने आई है। ठेकेदार द्वारा बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य में सिर्फ प्लिंथ लेवल का कार्य करके विधायक निधि की संपूर्ण राशि आहरित कर लिया है। इस वाकये की जानकारी होने के बाद स्थानीय नागरिकों ने निर्माण में अनियमितता व भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो विधायक निधि से वर्ष 2023-24 में लगभग 5 लाख रुपये की लागत से 225 मीटर लंबा बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था। ठेकेदार द्वारा कार्य स्थल पर केवल कुछ हिस्सों में प्लिंथ लेवल डालकर बाकी लगभग 90 फीसदी कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है, जबकि ताजा जानकारी मुताबिक उक्त कार्य के एवज में विधायक निधि की संपूर्ण राशि आहरित कर लिया है। आलम ये है कि स्वीकृति के 2 वर्षों के बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है।

जांच व कार्रवाई की मांग

नगर पंचायत के वार्ड 9 के नागरिकों ने विधायक निधि की शासकीय राशि की बंदरबाट का आरोप लगाते हुए अधूरे कार्य कर संपूर्ण राशि के आहरण को नियम विरुद्ध बताते हुए नगर पंचायत प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। नागरिकों ने अधूरे निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग भी की है। जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

ठेकेदार पर लगे गंभीर आरोप

सूत्रों की माने तो ठेकेदार राहुल सिंह उर्फ राहुल बिहारी द्वारा प्लिंथ लेवल कार्य कर संपूर्ण राशि आहरण कर लेने शेष राशि का उपयोग दूसरी जगह करने की बात कहने पर वार्ड में आक्रोश निर्मित हो गया है। वार्डवासियों ने ठेकेदार की मनमानी कर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। हालांकि इस कार्य को लेकर नागरिक नगर पंचायत की भी कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

मुस्लिम समाज ने मनायाईद उल अजहा का त्यौहार

दल्लीराजहरा। जामा मस्जिद दल्लीराजहरा के सदर (अध्यक्ष) मुश्ताक अहमद अंसारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गुरुवार को ईद उल अजहा का त्यौहार मनाया गया। जामा मस्जिद दल्ली राजहरा के ईमाम हाफिज अब्दुल बशीर ने नमाज से पहले खिताब किया और बताया कि कुर्बानी का मकसद अल्लाह की नज़दीकी हासिल करना है। मुस्लिम समाज के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद अंसारी ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे जिस मौजु पर इजहारे ख्याल करने का मौका मिला है वो है ईद उल अजहा। ईद उल अजहा मुसलमानों की दूसरी बड़ी मजहबी ईद है जिसे हम कुर्बानी की ईद भी कहते हैं। यह ईद हमें हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम और हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की अजीम कुर्बानी की याद दिलाती है। इस्लाम एक मुकम्मल जाबताए हयात है जो हमें मोहब्बत, भाईचारे, इसार और कुर्बानी का हुक्म देता है। अल्लाह ताअला ने हजरते इब्राहिम अलैहिस्सलाम को ख्वाब में अपने बेटे हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की कुर्बानी का हुक्म दिया। हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने अल्लाह के हुक्म के सामने सरे तस्लीम खम कर दिया और हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम ने भी खुशी खुशी अल्लाह की रजा पर राजी होने का ऐलान किया। जब। हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम अपने बेटे की कुर्बानी करने लगे तो अल्लाह तअला ने उनकी इस अज़ीम अताअत और कुर्बानी को कुबूल फ़रमाया और हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की जगह एक दुम्बा भेज दिया। यही वो अज़ीम वाक्या है जिसकी याद में हर साल मुस्लमान ईद उल अजहा का त्यौहार मनाते हैं। सदर मुश्ताक अहमद ने आगे बताया कि ईद उल अजहा सिर्फ जानवर जबहा करने का नाम नहीं है। बल्कि यह हमें अपनी ख्वाहिशों, गुरूर, हसद और बुराईयों को कुर्बानी करने का संदेश देती है। अगर इंसान सिर्फ जानवर कुर्बान करें मगर अपने अंदर की बुराईयों को खत्म ना करें तो कुर्बानी का असल मकसद हासिल नहीं होता है। ईद उल अजहा हमें गरीबों और जरुरतमंदों का ख्याल रखने की भी तामील देती है। कुर्बानी के गोश्त का एक हिस्सा गरीबों को तकसीम किया जाता है ताकें वो भी ईद की खुशीयों में शरीक हों सकें। इस्लाम मुहब्बत, अमन और इंसानियत का मजहब है और यही पैगाम हमें ईद उल अजहा हमें देती है। इस मुबारक दिन नमाजे ईद उल अजहा अदा करतें हैं एक दूसरे को मुबारकबाद देते हैं और खुशियां बांटते हैं। सदर मुश्ताक अहमद ने आगे बताया कि हमारा मुआशरा नफरत, खुदगर्जी जैसे मसाइल का शिकार है अगर हम ईद उल अजहा के हकीकी पैगाम को समझ लें तो तो हमारा मुआशरा मोहब्बत, अमन और भाईचारे का का गहवास बन सकता है। हमें चाहिए कि हम सिर्फ जानवरों की कुर्बानी ना दे बल्कि अपनी बुरी आदतों, झूठ, हसद, लालच और नफरत को भी कुर्बान करें। अंत में सदर मुश्ताक अहमद ने मुस्लिम जमात को कहा कि ईद उल अजहा हमें अल्लाह की अताअत, कुर्बानी और इंसानियत की खिदमत का पैगाम देती है।

डाइट बेमेतरा में डीएलएड की वार्षिक परीक्षाएं शुरू, परीक्षा के पहले ही दिन मंडल सदस्य और जिला शिक्षा अधिकारी ने किया निरीक्षण

पहले ही दिन परीक्षा में सभी 97 छात्राध्यापक उपस्थित

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित डीएलएड की वार्षिक परीक्षाएं डाइट बेमेतरा में प्रारंभ हो गई है। पहले दिन डीएलएड प्रथम वर्ष का 'बाल विकास और सीखना' विषय की परीक्षा की आयोजित हुई। प्रारंभ हुई इस परीक्षा में प्रथम वर्ष के सभी 97 छात्र अध्यापक शामिल हुए।

कोई भी परीक्षार्थी अनुपस्थित नहीं रहा। परीक्षा के आज पहले ही दिन छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के सदस्य जितेन्द्र सिंह और जिला शिक्षा अधिकारी जी आर चतुर्वेदी ने आकस्मिक निरीक्षण किया। परीक्षाएं शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित पाया गया। परीक्षा का समय प्रात: 9 बजे से दोपहर 12.15 तक हैं। नकल या अनुचित साधन का कोई भी प्रकरण नहीं पाया गया।जिला शिक्षा अधिकारी जी आर चतुर्वेदी ने पहले ही दिन डीएलएड के सभी विद्यार्थियों को उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। डीएलएड की वार्षिक परीक्षा के लिए सेजेस शिवलाल राठी विद्यालय बेमेतरा के प्राचार्य रामकुमार डड़सेना को केंद्राध्यक्ष बनाया गया है। जबकि डाइट के वरिष्ठ व्याख्याता अनिल कुमार सोनी को सहायक केंद्राध्यक्ष बनाया गया है। कार्यालयीन सहयोगी की जिम्मेदारी सत्येंद्र मिश्रा सहायक ग्रेड2 संभाल रहे है। डीएलएड परीक्षा के लिए दो बड़े हॉल की व्यवस्था की गई है। कक्ष क्रमांक 1 बड़े हॉल में 60 परीक्षार्थियों के तथा छोटे हाल क्रमांक 2 में 37 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई ह। हॉल क्रमांक 1 में चार पर्यवेक्षकों की, जबकि हॉल क्रमांक 2 में तीन पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी। पर्यवेक्षक के रूप में डाइट के सहायक प्राध्यापक परस राम साहु, डाइट व्याख्याता थलज कुमार साहु, शिक्षक मोहन कुमार साहु, कविता सेन, ज्योति देवांगन, पदमा निर्मलकर, दिनेश मानिकपुरी की ड्यूटी लगाई गई।

दल्ली पालिका में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 पर कार्यशाला आयोजित

दल्ली राजहरा। नगर पालिका दल्ली राजहरा में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष तोरण लाल साहू की उपस्थिति में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लागू किये गए नये ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में प्रोजेक्टर के माध्यम से समस्त जनप्रतिनिधियों को विस्तृत जानकारी दी गई। नए नियम के तहत अब 2 तरह के कचरे (गीला, सूखा) की जगह 4 तरह का कचरा (गीला, सूखा, सेनेटरी, स्पेशल केयर) पृथकरण एवं संग्रहण, बल्क वेस्ट जनरेटर की सक्रीय भागीदारी, केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के डिजिटल पोर्टल, शिकायत निवारण प्रणाली, सफाई मित्र सुरक्षा, नागरिक सहभागिता, व्यापक जागरूकता एवं व्यवहार परिवर्तन जैसे स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता, स्वच्छग्रहियों का चयन, डिजिटल आईईसी, स्वच्छता श्रमदान आदि के साथ स्वच्छ सर्वेक्षण के विभिन्न बिंदुओं के संबंध में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की भूमिका एवं दायित्वों पर विस्तार से चर्चा किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीमा बक्शी ने बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा नियम 1 अप्रैल 2026 से पूरे देश में प्रभावशील हो चुका है। कार्यक्रम का उद्देश्य कचरा प्रबंधन की वैज्ञानिक व्यवस्था को मजबूत करना, अपशिष्ट का स्थायी निपटान सुरक्षित करना एवं नागरिकों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी के साथ मेरा कचरा मेरी जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में नपा उपाध्यक्ष मनोज कुमार दुबे, पार्षद सुरेश जायसवाल, मेवालाल पटेल, भूपेंद्र श्रीवास, टी.ज्योति, तरुण साहू, प्रदीप बाघ, रेखा सहारे, अरुणा रामटेके, पूनम सोरी, मोनिका, अनीता बाई, कार्यपालन अभियंता नित्यानंद उपाध्याय, जिला समन्वयक विक्रांत साहू, स्वच्छता प्रभारी सतीश चंद्राकर, स्टोर प्रभारी पंकज चंद्राकर, निकाय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नगर पालिका के उदासीन रवैये को लेकर कांग्रेसी पार्षदों ने सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दल्ली राजहरा के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद में कांग्रेस के पार्षदों द्वारा जनहित के कार्यों योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को दिलाने में नगर पालिका द्वारा लगातार बढ़ती जा रही उदासीनता के खिलाफ ज्ञापन सौंपा गया। सौंपे गए मांगो का समाधान शीघ्र ना होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। शासन के द्वारा चलाए जा रही योजनाएं जिनमें प्रमुख रूप से श्रद्धांजलि योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, विकलांग पेंशन योजना, विधवा/ परित्यक्ता पेंशन योजना, वृद्धा पेंशन योजना, जैसी समस्त योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को पिछले 1 वर्ष से नहीं मिल पा रहा है इन योजनाओं के हितग्राही इस भरी दोपहरी के चिलचिलाती धूप में अपने-अपने संबंधित बैंकों का प्रतिदिन चक्कर काटते हैं और बैंक के द्वारा उन्हें एक ही जवाब दे दिया जाता है कि उनका पेंशन का राशि अभी नहीं आया है। नगर पालिका के चक्कर लगाने से भी कोई बताने को तैयार नहीं है कि उनकी पेंशन की राशि कब तक आएगी। प्रभावित हितग्राहियों ने कांग्रेस पार्षदों से संपर्क करके अपनी समस्या बताई। पार्षदों ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के पास अपनी बातें रखी और कांग्रेसजनो ने मिलकर इन हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने के लिए पहला कदम उठाते हुए नगर पालिका के जिम्मेदार पदाधिकारी के पास जाकर एक मांग पत्र सौंपा है। जिसमें यह सभी लाभकारी योजनाओं को शीघ्र ही पूरा करने की मांग की गई है यदि दिए समयावधि में नगर पालिका के द्वारा पेंशन की राशि का भुगतान हितग्राहियों के खाते में नहीं आने पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दल्ली राजहरा नगर पालिका का घेराव करने का निर्णय लिया है। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतिराम कोसमा नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष रवि जायसवाल, पार्षद रोशन पटेल, सूरज विभार प्राची सिन्हा, ईश्वर राव, कृष्णा यादव हीरालाल पवार राकेश जायसवाल कुलदीप नोन्हारे नितेश बामेश्वर चंदु सिन्हा उपस्थित रहे।

शासकीय भूमि पर हो रहा है प्रधानमंत्री आवास योजना का निर्माण कार्य

बेमेतरा। जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत खुरुसबोड़ (आर.) में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में हितग्राही गणेश वर्मा पिता टेकसिंह के नाम आवास स्वीकृत किया गया है। योजना के अंतर्गत प्रथम किस्त की राशि 40 हजार रुपए दिनांक 01 नवंबर 2025 को हितग्राही के बैंक खाते में अंतरित की जा चुकी है। प्रशासन द्वारा योजना के प्रावधानों के अनुरूप स्वीकृत स्थल पर ही आवास निर्माण सुनिश्चित करने हेतु लगातार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। ग्राम पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत स्थल पर वर्तमान में निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। इसके विपरीत अन्य शासकीय भूमि पर निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है, जिस पर पंचायत एवं राजस्व विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। ग्राम पंचायत खुरुसबोड़ (आर.) द्वारा हितग्राही को कई बार मौखिक एवं प्रत्यक्ष रूप से समझाइश दी गई कि निर्माण कार्य केवल स्वीकृत स्थल पर ही किया जाए। इसके अतिरिक्त पंचायत द्वारा तीन बार लिखित नोटिस भी जारी किए गए। संबंधित तहसीलदार द्वारा भी निर्माण कार्य पर रोक लगाने की कार्रवाई की गई है। निर्धारित स्थल पर समय-सीमा में आवास निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किए जाने के कारण राशि वसूली संबंधी प्रकरण न्यायालय अनुभागीय अधिकारी साजा को प्रेषित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार लाभ दिलाने हेतु सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि वे किसी भी जानकारी के संबंध में अधिकृत स्रोतों से तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त करें।

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल पर बात करते हाईवा चालक पर पुलिस का शिकंजा

रायपुर। मोबाइल पर बात करते हुए तेज रफ्तार हाईवा सड़क पर दौड़ रहा था, रेत से ओवरलोड यह भारी वाहन किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा था, लेकिन धमतरी पुलिस की सतर्क नजर ने बीच रास्ते ही चालक का खेल खत्म कर दिया। धमतरी जिले के भखारा थाना क्षेत्र में कोलियारी मोड़ के पास वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने हाईवा क्रमांक छ्त 07 ड्ड 9995 अशोक लेलैंड 10 चक्का को रोका, जहां चालक शाहिल वर्मा पिता चन्द्रशेखर वर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम पाहंदा थाना रानीतराई जिला दुर्ग मोबाइल फोन पर बात करते हुए खतरनाक तरीके से वाहन चलाते पकड़ा गया। जांच में खुलासा हुआ कि वाहन में तय क्षमता से 3 टन 830 किलोग्राम अधिक रेत भरी गई थी। इतना ही नहीं चालक जरूरी दस्तावेज भी मौके पर पेश नहीं कर सका और वाहन के पीछे नंबर तक अंकित नहीं मिला। पुलिस ने इसे सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानते हुए तत्काल मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 196, 50(2)/177, 184, 21(25)/177, 3/181 एवं 113/194(1) के तहत कार्रवाई की और इस्तगासा तैयार कर आरोपी चालक को माननीय न्यायालय में पेश किया। एसपी धमतरी के निर्देश पर जिलेभर में लगातार चल रहे यातायात अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों, ओवरलोड वाहनों और लापरवाह ड्राइवरों पर सख्त नजर रखी जा रही है।

भखारा में शराब माफिया पर पुलिस का धावा, 30 पौवा देशी शराब संग आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रोशन राइस मिल के पास नीम पेड़ पुल के नीचे चल रहा अवैध शराब का धंधा उस वक्त बेनकाब हो गया, जब भखारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। धमतरी जिले में अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफलगातार चल रहे अभियान के बीच थाना भखारा पुलिस की यह कार्रवाई इलाके में चर्चा का विषय बन गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति खुलेआम देशी शराब बेचकर माहौल बिगाड़ रहा है, जिसके बाद टीम ने तत्काल घेराबंदी की और मौके से राजु साहू उर्फ तुलसी साहू पिता महेत्तर साहू उम्र 54 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 03 भखारा थाना भखारा जिला धमतरी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 30 पौवा देशी प्लेन शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत 2400 रुपए आंकी गई। पुलिस ने मौके पर ही शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफथाना भखारा में अपराध क्रमांक 54/26 के तहत धारा 34(2) आबकारी एक्ट में मामला दर्ज किया। कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। धमतरी पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिलेभर में मादक पदार्थ, जुआ-सट्टा और अवैध शराब कारोबार के खिलाफ लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

तीसरी बार जला ट्रांसफार्मर भीषण गर्मी में ग्रामीण परेशान

रायपुर। ग्राम नेवसा में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बस्ती क्षेत्र में लगा ट्रांसफार्मर पिछले 15 से 20 दिनों के भीतर तीसरी बार जल गया, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। लगातार बिजली गुल रहने से लोगों को भीषण गर्मी में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बस्ती में लगाए गए ट्रांसफार्मर की क्षमता बेहद कम है, जबकि बिजली का लोड लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी वजह से ट्रांसफार्मर बार-बार खराब हो रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद बिजली विभाग द्वारा स्थायी समाधान नहीं किया गया। इस मामले को लेकर समाज सेवी, एसईसीएल यूनियन नेता अजय राठौर ने बिजली विभाग पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि नेवसा के लोग लंबे समय से बिजली संकट झेल रहे हैं और विभाग की लापरवाही के कारण आम जनता परेशान हो रही है। अजय राठौर ने बिजली विभाग से मांग करते हुए कहा कि गांव में तत्काल अधिक क्षमता वाला नया ट्रांसफार्मर लगाया जाए, ताकि बार-बार ट्रांसफार्मर जलने की समस्या खत्म हो सके और भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा। वहीं, गांव के लोगों ने भी जल्द बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

वरिष्ठ नागरिकों से आटो चालक कर रहे दुर्व्यवहार पुलिस प्रशासन ध्यान दें

रायपुर। शहर में इन दिनों ऑटो चालकों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों से आए दिन दुर्व्यवार किये जाने की घटना देखने में आ रही है। शादी विवाह का मौसम होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही राजधानी में विभिन्न स्थलों पर हो रही है। उदर ऑटो एवं ओला चालकों द्वारा भी गंतव्य स्थल जाने के लिए किराया वसूल करने में लोकेशन के नाम पर सौ दो सौ रुपये अधिक वसूले जा रहे है। इधर रेलवे स्टेशन एवं एयर पोर्ट में आने जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों से गंतव्य स्थल बताने के बावजूद भी बीच रास्ते में ऑटो चालकों द्वारा और कितना दूर है पूछ पूछकर परेशान किया जा रहा है। वहीं प्राइवेट ऑटो करने पर भी कुछ गुंडा किस्म के ऑटो चालकों द्वारा चिल्हर सवारी लेकर भी लोगों को तंग किया जा रहा है।

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे

पर्यटन के जरिए नई पहचान गढ़ेगा छत्तीसगढ़-मुख्यमंत्री साय

- छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि को दुनिया के सामने लाना हमारा उद्देश्य : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल से पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को मिल रही नई गति

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अब देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी नई पहचान गढ़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने, निवेश अनुकूल नीतियों और राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज अपने निवास कार्यालय में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटक सुविधाओं के विकास एवं विस्तार तथा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश की प्रतिष्ठित इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं

तेजी से बढ़ी हैं और पर्यटकों के लिए बेहतर ठहराव, परिवहन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य में लगातार निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं और इसी क्रम में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई गई है, जो प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के निवेश से पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। बैठक के दौरान इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के समक्ष अपने निवेश प्रस्ताव के महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए और बताया कि कंपनी छत्तीसगढ़ में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश की योजना पर कार्य कर रही है, जिसे शीघ्र आगे बढ़ाया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस निवेश से प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है तथा सभी आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश के रास्ते व्यापक रूप से खुले हैं। राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक अधोसंरचना, उच्चस्तरीय सुविधाओं और निवेश प्रोत्साहन नीतियों के माध्यम से विकसित करने की दिशा में विशेष पहल कर रही है। प्रदेश की बेहतर मानसूनी परिस्थितियां, समृद्ध प्राकृतिक संपदा और निवेश अनुकूल नीति पर्यटन विकास के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही हैं।

नौतपा में बदलेगा मौसम का मिजाज बारिश के आसार, आंधी का अलर्ट....

रायपुर। ब्रज योग में चंद्रप्रधान रोहिणी नक्षत्र में सूर्यदेव के प्रवेश के साथ ही नौतपा की शुरुआत कल से हो गई है, इस बार नौतपा में मौसम के तीन रंग देखने को मिलेंगे। शुरुआत के तीन दिन भीषण गर्मी पड़ेगी। इसके बाद हल्की राहत मिलेगी, फिर 29 और 30 मई से बारिश व बूंदाबांदी का दौर शुरू हो जाएगा। कुल मिलाकर इस बार नौतपा से पहले गर्मी ने हर वर्ग के लोगों को परेशान किया है, इसलिए लोगों को नवतपा में राहत मिलने की उम्मीद है। नौतपा शुरू होने से पहले ही गर्मी ने शहरवासियों को झुलसा दिया है। मई के दूसरे सप्ताह से शुरू हुई भीषण गर्मी मई के अंतिम सप्ताह तक जारी है। इस साल की तेज गर्मी ने लोगों को खासा परेशान किया है। इस दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया। वहीं अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के करीब रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। हालांकि बीच-बीच में कुछ सिस्टम सक्रिय होने से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन वह नाकाफी रही। इस बार आए तूफान भी गर्मी से राहत नहीं दिला सके। वर्तमान में उत्तर-पश्चिम से आने वाली शुष्क और गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान बढ़ा हुआ है। पिछले एक सप्ताह से तापमान लगातार सीजन के उच्च स्तर पर बना हुआ है। रविवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है। इस बार नौतपा ज्यादा नहीं तपेगा। शुरुआती तीन दिनों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ेगा। इसके बाद 27 मई की शाम से तापमान में गिरावट शुरू होगी, जिससे लोगों को गर्मी से हल्की राहत मिलेगी। फिर 29 और 30 मई से बूंदाबांदी व बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। अंतिम चार दिनों में बदली छाने और हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दौरान गर्मी से राहत मिलेगी, लेकिन शुरुआती बारिश के कारण उमस लोगों को परेशान कर सकती है। एचपी चंद्रा का कहना है कि नवतपा के शुरुआती तीन दिनों में तेज गर्मी पड़ेगी। इसके बाद तापमान में गिरावट आने की संभावना है। आगे चलकर बादल, बारिश और आंधी की स्थिति बनेगी।

जलते दीये से भड़की भीषण आग, घर का पूरा सामान हुआ राख

रायपुर। जिले के सिविल लाइन थाना पुलिस क्षेत्र के 27 खोली इलाके में एक मकान में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार घर में रखे जलते दीये से आग लगी, जिसने कुछ ही देर में पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के वक्त इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक घर में रखा फर्नीचर, कपड़े, घरेलू सामान और अन्य सामग्री पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक आग तेजी से फैल रही थी।

खाद संकट पर भी घिरी सरकार

बैज के बयान पर गरमाई सियासत कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने हुए

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे को लेकर दिए गए बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस और भाजपा के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। जहां कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने बैज के बयान का समर्थन किया है, वहीं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इसे कांग्रेस की निम्नस्तरीय राजनीति और मानसिकता का परिचायक बताया है। अमरजीत भगत ने प्रधानमंत्री के विदेश दौरों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि इन यात्राओं से देश

को क्या उपलब्धियां मिली हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि केवल औपचारिक मुलाकातों और तस्वीरों तक सीमित रहने से देशहित के परिणाम नहीं मिलते। इसके जवाब में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी लगातार मर्यादा और शिष्टाचार की सीमाएं लांघ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा राजनीतिक संवाद के स्तर को गिराने वाली है। साव ने दावा किया कि इसी प्रकार की बयानबाजी के कारण कांग्रेस का जनाधार लगातार सिमटता जा रहा है। प्रदेश सरकार के 'सुशासन तिहार' अभियान को लेकर भी दोनों दलों के नेताओं के बीच मतभेद खुलकर सामने आए। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रशासनिक सख्ती पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि सरकार शुरुआत से ही प्रभावी निगरानी रखती तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने प्रदेश में भूमाफियाओं के बढ़ते प्रभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि आम लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है।

हसदेव प्लांट की दो यूनिट ठप.बिजली संकट गहराया

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश में नौतपा की शुरुआत के साथ ही भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण घरों, दफ्तरों और उद्योगों में एसी, कूलर और पंखों का उपयोग चरम पर है। इसके चलते छत्तीसगढ़ में पीक ऑवर्स के दौरान बिजली की मांग 6000 मेगावाट तक पहुंच गई है। इस भारी मांग के बीच छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के सबसे बड़े संयंत्र हसदेव थर्मल पावर स्टेशन की दो इकाइयों के बंद होने से बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर भारी दबाव आ गया है। कोरबा स्थित हसदेव थर्मल पावर स्टेशन की कुल क्षमता 1340 मेगावाट है। यहां 210-210 मेगावाट की चार और 500 मेगावाट की एक विस्तार इकाई स्थापित है। अप्रैल महीने में झाबू राखड़ बांध के क्षतिग्रस्त होने के बाद से सुरक्षा और मरम्मत के मद्देनजर 210-210 मेगावाट की दो इकाइयों को बंद रखा गया है। इसके कारण वर्तमान में 420 मेगावाट बिजली का उत्पादन पूरी तरह ठप है। फिलहाल चालू तीन इकाइयों से केवल 745 मेगावाट के आसपास ही उत्पादन हो पा रहा है, जो इस भीषण गर्मी में मांग के लिहाज से काफी कम है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए राज्य सरकार को सेंट्रल सेक्टर (केंद्रीय कोटे) से प्रतिदिन लगभग 3700 मेगावाट बिजली ड्रा (खर्च) करनी पड़ रही है। इसके अलावा डीएसपीएम पावर प्लांट में 500 मेगावाट क्षमता वाले इस संयंत्र से करीब 430 मेगावाट उत्पादन हो रहा है। मड़वा प्लांट में 1000 मेगावाट की क्षमता वाले इस संयंत्र से लगभग 932 मेगावाट बिजली बन रही है। इन तमाम प्रयासों और केंद्रीय कोटे पर निर्भरता के बावजूद प्रदेश में पीक ऑवर्स के दौरान लगभग 150 मेगावाट बिजली की कमी बनी हुई है। इसका मुख्य कारण यह भी है कि एनटीपीसी ने भी राज्य को होने वाली आपूर्ति में पहले की तुलना में कटौती की है। उत्पादन में कमी और ओवरलोडिंग का असर अब राज्य के कई इलाकों में दिखाई देने लगा है, जहां लगातार लो-वोल्टेज और पावर ट्रिपिंग (बिजली गुल होना) की शिकायतें आ रही हैं। इसके साथ ही, एचटीपीएस की दो इकाइयों के बंद रहने से बिजली कंपनी को प्रति घंटे दो करोड़ रुपए से अधिक का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

मोवा अंडरब्रिज बंद होने से ओव्हरब्रिज में जाम से आवाजाही प्रभावित...

रायपुर। लगभग दो माह तक अंडरब्रिज बंद रखने के उपरांत मई माह में खुले ओव्हरब्रिज में पुन: सीपेज की समस्या होने पर इन दिनों अंडरब्रिज पुन: सुधार कार्य के नाम पर बंद कर दिया गया है। मोवा ओव्हरब्रिज में सवेरे 9 बजे से लेकर दिन के एक बजे तक यातायात जाम होने से लोगों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। वहीं शाम को पुन: पांच बजे से लेकर रात 9 बजे तक यातायात जाम होने से लौटने वाले नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञातव्य है कि मोवा ओव्हरब्रिज से लगभग दो दर्जन से अधिक कालोनियां बनी हुई है जिनका विस्तार मोवा चौक से लेकर पुरानी विस सड्डू मार्ग विभिन्न अपार्टमेंट्स में है यहां से लगभग सुबह शाम 25 से 30 हजार की आबादी 24 घंटों में आवाजाही करती है। संबंधित जोन कमिश्नरों यातायात पुलिस के अधिकारियों एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को नागरिकों द्वारा यातायात सुगम के लिए आवाजाही के संबंध में अनेकोंबार मौखिक एवं लिखित तौर पर अवगत कराया गया है इसके बाद भी समस्या जस की तस है। जेठ की चिलचिलाती धूप में जहां शहर का तापमान 44 45 डिग्री दर्ज किया जा रहा है वहां एक एक घंटे यातायात के नाम पर जाम होने पर दोपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है

शिक्षा, संगठन और संस्कार से ही समाज की प्रगति संभव: वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

- जांजगीर-चांपा के कापन और बलौदा में सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुए वित्त मंत्री
- अघरिया और स्वर्णकार समाज के सामुदायिक भवनों का लोकार्पण

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री एवं जांजगीर-चांपा जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी आज जांजगीर-चाम्पा जिले के कापन और नगर पंचायत बलौदा में आयोजित सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कापन में अखिल भारतीय अघरिया समाज के क्षेत्रीय सभा सह सामुदायिक भवन का उद्घाटन किया। वहीं, बलौदा के जंगलवा डबरी में स्वर्णकार समाज के 'स्वर्ण मंडपम' सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। कापन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा,शिक्षा समाज की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है। नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा, संस्कार और अवसर उपलब्ध कराकर ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकजुटता, सकारात्मक सोच और सामुदायिक भावना को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है और समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री सौरभ सिंह ने कहा कि अघरिया समाज शिक्षा, कृषि और सामाजिक विकास के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है। किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता में ही निहित होती है। वहीं, पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े ने कहा कि यह नवनिर्मित भवन सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक सशक्त मंच साबित होगा। नगर पंचायत बलौदा में आयोजित स्वर्ण मंडपम सामुदायिक भवन के लोकार्पण समारोह में वित्त मंत्री ने स्वर्णकार समाज द्वारा सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

हितग्राहियों विभिन्न योजनाओं से किया गया लाभान्वित

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना शासन की पहली प्राथमिकता -उपमुख्यमंत्री.....

- उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री शर्मा भनसुला में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार 2026 के तहत आज मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी के ग्राम पंचायत भनसुला में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री द्वारा जिले की महिला स्व सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का मोहला ब्रांड के रूप में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य शासन और प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और सरलता के साथ पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें और किसी भी समस्या या आवश्यकता को प्रशासन तक सीधे पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवाओं एवं हर वर्ग के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो तथा जनता को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि आज राज्य नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग संवेदनशीलता के साथ ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखें। ग्राम पंचायत भनसुला क्लस्टर के 15 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शिविर में शामिल हुए।

संपादकीय

चार धाम यात्रा -हेलिकॉप्टर हादसों ने बढ़ाई उत्तराखंड में सुरक्षा की चिंता

बद्रीनाथ से तीर्थ यात्रियों को लेकर लौट रहे एक हेलिकॉप्टर को तकनीकी कारणों से टिहरी के चंबा-आराकोट क्षेत्र में आपात स्थिति में उतरना पड़ा। इस दौरान बिजली की तारों के संपर्क में आने से हेलिकॉप्टर के पिछले हिस्से को नुकसान पहुंचा।उत्तराखंड अपने प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंची-ऊंची चोटियों और धार्मिक स्थलों की वजह से दुनिया भर में प्रसिद्ध है। पर्यटन का कारोबार राज्य की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। खासकर चार धाम यात्रा के लिए यहां साल भर श्रद्धालुओं का ताता लगा रहता है।

राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन उस लिहाज से व्यवस्थागत ढांचे का विस्तार नहीं हो पाया है।पहाड़ी प्रदेश होने की वजह से यहां के मौसम में अचानक बदलाव आने से भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाएं आम बात हैं। ऐसे में पर्यटकों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यही नहीं, पर्यटकों को ले जाने और वापस लाने वाले हेलिकॉप्टर के हादसाग्रस्त हो जाने की घटनाएं भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा रही हैं।ऐसी ही एक घटना बुधवार सुबह हुई, जब बद्रीनाथ से तीर्थ यात्रियों को लेकर लौट रहे एक हेलिकॉप्टर को तकनीकी कारणों से टिहरी के चंबा-आराकोट क्षेत्र में आपात स्थिति में उतरना पड़ा।

इस दौरान बिजली की तारों के संपर्क में आने से हेलिकॉप्टर के पिछले हिस्से को नुकसान पहुंचा, हालांकि उसमें सवार यात्री सुरक्षित हैं।उत्तराखंड सरकार की ओर से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं और प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिससे निश्चित रूप से पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है।

मगर सवाल है कि सरकार के ये कदम क्या सिर्फ राजस्व अर्जित करने तक सीमित हैं, या पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था को भी केंद्र में रखा जाता है? यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि पहाड़ी प्रदेश होने के नाते क्षेत्रीय मौसम में बदलाव का सटीक पूर्वानुमान लगाने की व्यवस्था हो, ताकि पर्यटकों और परिवहन एजेंसियों को पहले ही संभावित खतरे से सतर्क किया जा सके।

इससे पहले भी चार धाम यात्रा मार्ग पर हेलिकॉप्टरों के हादसे का शिकार होने की घटनाएं हो चुकी हैं। मगर ऐसा लगता है कि इन हादसों से शासन-प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिया है। हालांकि, सरकार की ओर से धार्मिक यात्रा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है, लेकिन जब तक इसे कड़ाई से लागू नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं होगी, तब तक व्यवस्था में आमूल-चूल सुधार नहीं हो पाएगा।

हमारे देश का राजनीतिक तापमान तो वर्षपर्यंत उच्च रहता आया है और चुनावी इलाकों में इसके वैचारिक हीट स्ट्रोक से सिस्टम का झुलसना स्वाभाविक माना जाता है। लेकिन जब मई-जून के महीने में मौसमी तापमान जानलेवा स्तर तक खतरनाक रूप से चढ़ता जाता है तो लोग बाग परेशान हो उठते हैं। फिर अपनी राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गलतियों पर पछतावा के अलावा कुछ नहीं मिलता, क्योंकि विकास के नाम पर आधुनिक भारतीय सभ्यता विनाश की ओर बढ़ती चली जा रही है और पश्चिमी शिक्षा प्राप्त हमारे हुक्मरान तमाशबीन बने बैठे हैं, क्योंकि हरेक आपदा को अवसरों में बदलकर अपनी कमाई बढ़ाने का धंधा उन्होंने सीख लिया है।

भारत में जानलेवा हुई गर्मी के साइड इफेक्ट्स समझिए, इसके कारण और बचाव के उपाय जानिए

(कमलेश पांडे)

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीजन 27 अप्रैल और 19 मई दो ऐसे दिन रहे, जब धरती के सबसे ज्यादा गर्म 50 शहरों में सभी भारत के थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट हमें चेताती है कि देश के 50 प्रतिशत से ज्यादा शहरों में भीषण गर्मी का खतरा 'अधिक' से लेकर 'बेहद अधिक' के स्तर तक पहुंच चुका है।

हमारे देश का राजनीतिक तापमान तो वर्षपर्यंत उच्च रहता आया है और चुनावी इलाकों में इसके वैचारिक हीट स्ट्रोक से सिस्टम का झुलसना स्वाभाविक माना जाता है। लेकिन जब मई-जून के महीने में मौसमी तापमान जानलेवा स्तर तक खतरनाक रूप से चढ़ता जाता है तो लोग बाग परेशान हो उठते हैं। फिर अपनी राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गलतियों पर पछतावा के अलावा कुछ नहीं मिलता, क्योंकि विकास के नाम पर आधुनिक भारतीय सभ्यता विनाश की ओर बढ़ती चली जा रही है और पश्चिमी शिक्षा प्राप्त हमारे हुक्मरान तमाशबीन बने बैठे हैं, क्योंकि हरेक आपदा को अवसरों में बदलकर अपनी कमाई बढ़ाने का धंधा उन्होंने सीख लिया है। बेशक अपवाद भी होंगे, लेकिन अल्पमत में, जिनकी लोकतंत्र में कम कद्र होती आई है।

वहीं, भारत में बढ़ती खतरनाक गर्मी केवल मौसमी बदलाव नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, तेजी से शहरीकरण, जंगलों की कटाई और प्रदूषण का संयुक्त परिणाम बन चुकी है। हाल के वर्षों में उत्तर भारत, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य भारत में 46 डिग्री, 48 डिग्री तक तापमान दर्ज हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश का एक बड़ा हिस्सा इस समय भट्ठी बना हुआ है। हमारे शहर हीट आइलैंड में तब्दील होते जा रहे हैं। उत्तर भारत से लेकर मध्य भारत तक, ज्यादातर शहरों में औसत तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस ऊपर चल रहा है। कहीं कहीं तो पिछले 14-15 वर्षों के रिकॉर्ड टूट चुके हैं। कोढ़ में खाज यह कि फिलहाल राहत के संकेत नहीं है, क्योंकि अल-नीनो की वजह से मौसम आगे और कड़ी परीक्षा ले सकता है।

अलबत्ता आप मानें या न मानें, लेकिन गर्मी की बढ़ती प्रवृति में भविष्य के लिए सबसे बड़ा संदेश छिपा हुआ है। वह यह कि यदि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन नहीं बनाया गया तो भारत में गर्मी केवल असुविधा नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य और आर्थिक संकट बन सकती है। लिहाजा, आने वाले वर्षों में जल संरक्षण, हरित विकास और स्वच्छ ऊर्जा ही सबसे बड़े समाधान होंगे।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीजन 27 अप्रैल और 19 मई दो ऐसे दिन रहे, जब धरती के सबसे ज्यादा गर्म 50 शहरों में सभी भारत के थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट हमें चेताती है कि देश के 50 प्रतिशत से ज्यादा शहरों में भीषण गर्मी का खतरा 'अधिक' से लेकर 'बेहद अधिक' के स्तर तक पहुंच चुका है। और तो और, साल 2015 से 2020 के दरम्यान लू वाले दिनों का औसत 7.4 दिन से बढ़कर 32.2 दिन हो गया है, और यह लगातार बढ़ रहा है। इसका गहरा दुष्प्रभाव हमारी सेहत और अर्थव्यवस्था दोनों पर पड़ने के आसार प्रबल हैं।

हमारे शहरों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं, क्योंकि वो अंधाधुंध विकास की होड़ में अपनी हरियाली उजाड़कर उन्हें कंक्रीट के जंगलों में तब्दील करते जा रहे हैं। लिहाजा, भारत में गर्मी अब हर साल एक नया रेकॉर्ड बना रही है। चिंताजनक बात यह है कि दिन तो तपते ही हैं, अब रातें भी तपने लगी हैं और

राहत देने वाली नहीं रहीं। इस 20 मई को दिल्ली ने मई महीने में 13 साल की सबसे गर्म रात देखी, जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा। 21 मई को स्थिति उससे भी ज्यादा बुरी हुई।इस प्रकार से हाल के बरसों में हीटवेव की तीव्रता, उसका समय और सीमा अभूतपूर्व रूप से बढ़े हैं। इससे शहरों पर संकट ज्यादा है, जो घटती हरियाली, बढ़ते कंक्रीट स्ट्रक्चर और प्रदूषण की वजह से अर्बन हीट आईलैंड इफेक्ट झेल रहे हैं।

इससे हमारे कामकाज पर भी नकारात्मक असर पड़ चुका है, क्योंकि मौसम की यह मार दोतरफा है- सेहत और अर्थव्यवस्था दोनों पर पड़ चुकी है। नैशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के मुताबिक, 2025 में हीट स्ट्रोक के सात हजार से ज्यादा सस्पेक्टेड केस सामने आए थे। हालांकि माना जाता है कि भारत में हीट स्ट्रोक और उससे होने वाली मौतों का सही आंकड़ा रिपोर्ट नहीं हो पाता। क्योंकि देश की एक बड़ी आबादी मौसम का सीधा वार झेलती रहती है। इनमें गिग वर्कर्स, दिहाड़ी मजदूर, स्ट्रीट वेंडर्स वगैरह भी शामिल हैं। चूंकि घर बैठने से न इनका काम चलेगा और न अपने देश का। लिहाजा इस मौसम में ये सबसे ज्यादा जोखिम में ये लोग ही होते हैं। किसान और मजदूर भी इन्हीं जैसे होते हैं। ऐसे में इनकी सुरक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते है, जैसे सार्वजनिक शेल्टर, पेयजल की व्यवस्था और जहां संभव हो वहां काम के घंटों और चरित्र में बदलाव। इसे गंभीर चेतावनी के रूप में लिया जा सकता है।

चूंकि बढ़ती हुई गर्मी से हमारी आपकी कार्यक्षमता पर सीधा असर पड़ता है, काम के घंटे कम होते हैं और प्रॉडक्टिविटी भी घट जाती है। लिहाजा यह बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह है। एक आकलन के मुताबिक, यदि यही हाल रहा तो 2030 तक गर्मी की वजह से भारत की जीडीपी का 4.5 प्रतिशत प्रभावित होगा। ये सारे आंकड़े एक गंभीर चेतावनी हैं। चूंकि क्लाइमेट चेंज की वजह से मौसम के और बिगड़ने की आशंका है, इसलिए बेहतर रहेगा अगर हमलोग अपनी तैयारी पहले से कर लें।

भारत में खतरनाक गर्मी बढ़ने के प्रमुख कारण जानिए – भारत में खतरनाक गर्मी बढ़ने के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं- पहला, जलवायु परिवर्तन- धरती का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिक रिपोर्टों के अनुसार मानव गतिविधियों से पैदा हुई ग्लोबल वार्मिंग ने भारत में हीटवेव को अधिक लंबा और तीव्र बना दिया है। दूसरा, जंगलों की कटाई- पेड़ प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम होते हैं। लिहाजा बड़े पैमाने पर वनों की कटाई से नमी कम हो रही है, वर्षा चक्र प्रभावित हो रहा है, जमीन अधिक गर्म हो रही है। तीसरा, शहरी हीट आइलैंड प्रभाव -कंक्रीट, डामर, वाहन, एसी और उद्योग शहरों को हीट ट्रैप बना रहे हैं। शहर रात में भी गर्म बने रहते हैं। चौथा, प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसें- कोयला, पेट्रोल-डीजल, फैक्ट्रियों और वाहनों से निकलने वाली गैसें वातावरण में गर्मी रोकती हैं। पांचवां, कमजोर मानसून और एल-नीनो- एल-नीनो जैसी वैश्विक मौसमी घटनाएँ भारत में सूखा और गर्म हवाएँ बढ़ाती हैं। छठा, भूजल की कमी और सूखी जमीन जब मिट्टी में नमी कम होती है तो धरती तेजी से गर्म होती है। इससे लू और अधिक खतरनाक हो जाती है। सातवां, अनियोजित विकास- खुले मैदान कम होना, झीलों और तालाबों का खत्म होना, अत्यधिक कंक्रीट निर्माण इनसे स्थानीय तापमान तेजी से बढ़ रहा है।

गर्मी से होने वाले खतरे को समझिए – गर्मी से होने वाले खतरे निम्नलिखित हैं– हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, हार्ट और बीपी की समस्या, बच्चों और बुजुर्गों में मृत्यु जोखिम, फसल नुकसान, बिजली और पानी संकट श्रमिकों की कार्यक्षमता में कमी, भारत में हीटवेव से स्वास्थ्य संकट तेजी से बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ये हैं व्यक्तिगत स्तर पर बचने के प्रमुख निदान – व्यक्तिगत स्तर पर बचने के प्रमुख निदान इस प्रकार हैं- पहला, दोपहर में बाहर निकलने से बचें, विशेषकर 12 बजे से 4 बजे तक। दूसरा, पर्याप्त पानी पिएँ, ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी। तीसरा, हल्के सूती कपड़े पहनें, गहरे रंग और टाइट कपड़ों से बचें। चौथा, शरीर को ठंडा रखें, सिर ढकें, छाता प्रयोग करें, गीला कपड़ा रखें। पांचवां, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान, उन्हें बंद और गर्म कमरों में न रखें। हमें सामाजिक और सरकारी स्तर पर निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए

सामाजिक और सरकारी स्तर पर निम्नलिखित – कदम उठाने चाहिए- पहला, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण- यह सबसे सस्ता और प्रभावी उपाय है। दूसरा, तालाब और जलस्रोत बचाना- स्थानीय तापमान कम करने में मदद मिलती है। तीसरा, कूल रूफ अभियान- सफेद या परावर्तक छतें घरों को ठंडा रखती हैं। चौथा, शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाना- पार्क ग्रीन कॉरिडोर, छायादार सड़कें। पांचवां, प्रदूषण नियंत्रण- स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देना।

क्या 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास राजनीतिक जमीन है?

(अवतेंश चिंत्राश)

कॉकरोच पृथ्वी पर डायनासोर से भी पहले से मौजूद जीव माना जाता है। यह एक निशाचर कीड़ा है, जो अंधेरी, गर्म और नम जगहों में पनपता है।सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास राजनीतिक जमीन नहीं है, जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन राजनीतिक रूप से खोखली हो चुकी व्यवस्था की पृष्ठभूमि में खड़ा हुआ था, जबकि बांग्लादेश में बदलाव की जमीन मुख्यतः मजहबी कट्टरता पर आधारित थी। ऐसे में सवाल यह है कि सोशलमीडिया पर बने हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास राजनीतिक आधार क्या है, सिवाय इसके कि वह केवल भारतीय जनता पार्टी का विरोध कर रही है? वह पूरे राजनीतिक तंत्र का विरोध नहीं कर रही, जिसे बदलने के उद्देश्य से अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे।

एक कहावत है—भागते भूत की लंगोटी ही सही – दरअसल, 'कॉकरोच जनता पार्टी' के कर्ताधर्ता अभिजीत दीपके ने कुछ ऐसा ही किया है। सोशल मीडिया के इस दौर में, जब भ्रम आग से भी तेज गति से फैलता है, तब भारत के चीफ जस्टिस का एक शब्द कॉकरोच का दीपके ने जिस तरह इस्तेमाल किया, उसने उसे अचानक चर्चा के केंद्र में ला दिया।

हालांकि, इस भ्रम के टूटने में ज्यादा समय नहीं लगेगा, क्योंकि केजेपी के पास कोई ठोस नैतिक आधार नहीं है। और राजनीति में वैचारिक व नैतिक जमीन का होना पहली शर्त माना जाता है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं, इसे समझने के लिए उस संदर्भ को समझना जरूरी है, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कॉकरोच शब्द को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया। यह संदर्भ स्वयं युवाओं, विशेषकर जेन-जी, के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौती को उजागर करता है। जेन-जी के भीतर विभाजन की शुरुआत ही आरक्षण व्यवस्था से हो जाती है, जो अवसर की समानता के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आती है। सवाल यह है कि अभिजीत दीपके इस चुनौती का सामना कैसे करेंगे?

कहां से शुरू हुआ यह मामला?– पूरा मामला दिल्ली हाई कोर्ट के वकील संजय दुबे की एक याचिका से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने अयोग्य वकीलों को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने का विरोध किया था। इस याचिका की सुनवाई भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच कर रही थी। सुनवाई के दौरान बेंच ने संजय दुबे से पूछा कि क्या उनके पास अपने सीनियर एडवोकेट के दर्जे के लिए मुकदमा लड़ने के अलावा कोई और मामला नहीं है? मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा, पूरी दुनिया शायद सीनियर दर्जे के लिए पात्र हो सकती है, लेकिन कम-से-कम आप नहीं हैं।

यदि हाई कोर्ट आपको सीनियर घोषित भी कर देता है, तो हम आपके पेशेवर आचरण को देखते हुए उसे रद्द कर देंगे। सुनवाई के दौरान वकीलों की कानून की डिग्रियों की जांच प्रक्रिया का मुद्दा भी उठा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वकीलों द्वारा डाली जा रही सामग्री को देखकर उन्हें कई वकीलों की कानून की डिग्रियों की प्रामाणिकता पर गंभीर संदेह होता है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे किसी उपयुक्त मामले की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिसमें दिल्ली के कई वकीलों की डिग्रियों की सत्यता की जांच सीबीआई से कराई जा सके, क्योंकि बार काउंसिल ऑफ इंडिया कई कारणों से इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठा रही है।

इसी दौरान चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता संजय दुबे से कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं, जो व्यवस्था पर लगातार हमला करते रहते हैं। क्या आप भी उन्हीं के साथ जुड़ना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि कुछ युवा रोजगार न मिलने और अपने पेशे में जगह न बना पाने के कारण कॉकरोच की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उनमें से कुछ मीडिया में पहुंच जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं, तो कुछ अन्य प्रकार के एक्टिविस्ट बनकर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं। चीफ जस्टिस की इन टिप्पणियों को पढ़ने के बाद सवाल उठता है कि क्या हमारे सिस्टम में योग्य युवाओं की तुलना में अयोग्य लोगों को अधिक अवसर और लाभ नहीं मिल रहा? और इसी संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि अभिजीत दीपके योग्य युवाओं के साथ खड़े हैं या उन अयोग्य कॉकरोचों के साथ, जिनकी ओर चीफ जस्टिस ने संकेत किया था?

अरविंद केजरीवाल से जुड़ा एक उल्लेखनीय प्रसंग – योग्यता और अयोग्य कॉकरोचों की इस चर्चा के बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़ा एक प्रसंग भी उल्लेखनीय है। अभिजीत दीपके, केजरीवाल के आंदोलन से जुड़े रहे हैं और उनकी तुलना महात्मा गांधी से करते हैं।

तकनीक और आराम की बढ़ती चाह के बीच खामोश होते रिश्ते और बदलता इंसान का चेहरा

सुविधाओं की अंधी दौड़ में हम जरूरत और लालच के बीच की रेखा को मिटा रहे हैं। नदियों के सूखते किनारे, उजाड़ होते पहाड़ और दिनोंदिन जहरीली होती फिजा इंसानी लालच की कहानी चीख-चीख कर सुना रही है। आज आधी दुनिया प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध की आग में झुलस रही है, जिसका कुप्रभाव मनुष्यों के साथ ही प्रकृति पर भी पड़ रहा है। प्राकृतिक संसाधन राख के ढेर में बदलते जा रहे हैं। तकनीक और नैतिकता के संबंध को समझाने के लिए वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का एक प्रसिद्ध कथन है- 'हमारी तकनीकी प्रगति इतनी तेज हो चुकी है कि वह मानवता, संवेदनशीलता, नैतिकता और आपसी समझ से भी आगे निकल गई है।'

(अलका 'सोनी')

आज सुविधाओं का युग है, जहां हर इंसानी जरूरत के लिए अभूतपूर्व सुविधाएं, तकनीक और विकल्प मौजूद हैं। जिनकी वजह से हमारा जीवन तेज, सरल और आरामदायक हो गया है। मगर हर सुविधा अपने साथ एक नैतिक प्रश्न भी लेकर आती है कि क्या हम इन सुविधाओं के उपयोग के लिए उतने ही जिम्मेदार हैं, जितना कि इन्हें पाने के लिए उत्साहित होते हैं? आज के परिप्रेक्ष्य में यह प्रश्न बेहद महत्त्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि यही द्वंद्व सुविधाओं के बरक्स हमें सोचने पर मजबूर करता है कि हम अपने लिए धरती से कितना ले रहे हैं! महात्मा गांधी ने कहा था, 'पृथ्वी हर मनुष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन हर मनुष्य के लालच के लिए नहीं।'

सुविधाओं की अंधी दौड़ में हम जरूरत और लालच के बीच की रेखा को मिटा रहे हैं। नदियों के सूखते किनारे, उजाड़ होते पहाड़ और दिनोंदिन जहरीली होती फिजा इंसानी लालच की कहानी चीख-चीख कर सुना रही है। आज आधी दुनिया प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध की आग में झुलस रही है, जिसका कुप्रभाव मनुष्यों के साथ ही प्रकृति पर भी पड़ रहा है। प्राकृतिक संसाधन राख के ढेर में बदलते जा रहे हैं। तकनीक और नैतिकता के संबंध को समझाने के लिए वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का एक प्रसिद्ध कथन है- 'हमारी तकनीकी प्रगति इतनी तेज हो चुकी है कि वह मानवता, संवेदनशीलता, नैतिकता और आपसी समझ से भी आगे निकल गई है।'

आज हम सोशल मीडिया के माध्यम से तुरंत संवाद कर सकते हैं, लेकिन यही सुविधा फर्जी खबरों, नाहक परेशान करने और 'साइबर बुलिंग' यानी इंटरनेट पर डराने-धमकाने या प्रताड़ित करने की घटनाओं को भी जन्म दे रही है। ऐसे कई मामले सामने आते हैं, जहां झूठी खबरों के कारण समाज में तनाव और हिंसा तक फैल जाती है। इन सारी घटनाओं से यही पता चलता है कि सुविधा के साथ विवेक और नैतिकता का होना कितना आवश्यक है।

व्यक्तिगत जीवन में भी सुविधाओं का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। उदाहरण के लिए ई-वाणिज्य की सुविधा ने हमारे जीवन को आसान बनाया है, लेकिन अनावश्यक खरीदारी और पैकेटों के कचरे ने पर्यावरण पर भारी दबाव भी डाला है। यहां सवाल उठता है कि क्या हम महज अपनी सुविधा के लिए प्रकृति का दोहन कर सही कर रहे हैं? आज इन सुविधाओं के आदि हो चुके लोग, अपने से कम संपन्न रिश्तेदारों के घर जाने से भी कतराते हैं। कारण वहां उन सुविधाओं का अभाव होना है, जिनकी उन्हें आदत पड़ चुकी होती है। पहले जहां परिवार के साथ बैठकर बातचीत होती थी, अब वही समय मोबाइल स्क्रीन के सामने बीतता है। इसकी वजह से पारिवारिक मूल्य भी बिखर रहे हैं। अगर हम इसी तरह सुविधाओं में डूबे रहेंगे और अपने संबंधों और जिम्मेदारियों को भूल जाएंगे, तो यह हमारे लक्ष्य से भटकने का ही संकेत है।

पर्यावरण के संदर्भ में सुविधाओं की कीमत तो और भी गंभीर है। वातानुकूलन यंत्र, कार और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने जीवन को आरामदायक बनाया है, लेकिन इनके कारण होने वाले प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। मगर इसका अर्थ यह नहीं है कि हमारे हाथों अब कुछ नहीं बचा। हर व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाकर पर्यावरण की रक्षा में योगदान दे सकता है। जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, ऊर्जा की बचत और जिम्मेदार तरीके से उसका उपभोग कर बड़े परिवर्तन की शुरुआत तो कर ही सकते हैं।

सुविधाओं की असमानता भी एक बड़ा नैतिक मुद्दा है। एक ओर कुछ लोग अत्याधुनिक तकनीकों का आनंद ले रहे हैं, दूसरी ओर बहुत से लोग बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। भीमराव आंबेडकर ने कहा था, 'मनुष्य की महानता इस बात में नहीं है कि वह कितना धन अर्जित करता है, बल्कि इस बात में है कि वह समाज के लिए कितना योगदान देता है।' यह कथन हमें याद दिलाता है कि सुविधाओं का सही उपयोग तभी है, जब वह समाज के सभी वर्गों के लिए लाभकारी हो, क्योंकि यह समाज में असंतोष को बढ़ावा देता है।

शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल सुविधाओं ने नई संभावनाएं खोली हैं, लेकिन डिजिटल विभाजन ने एक नई असमानता को जन्म भी दिया है। जैसा कि कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिन विद्यार्थियों के पास इंटरनेट और उपकरण नहीं थे, वे पीछे छूट गए। यहां नैतिक जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ हर जागरूक नागरिक की है कि वह इस अंतर को कम करने में योगदान दे।

सुविधाओं के प्रति अत्यधिक निर्भरता भी चिंता का विषय है। जब हम हर छोटे काम के लिए तकनीक पर निर्भर हो जाते हैं, तो हमारी आत्मनिर्भरता कमजोर हो जाती है। हमें अपनी क्षमताओं को जरूर विकसित करना चाहिए, लेकिन उन पर अपनी निर्भरता को नियंत्रित रखना चाहिए।

इसका अर्थ यह नहीं है कि सुविधाओं का त्याग कर देना चाहिए। बल्कि समाधान यह है कि हम सुविधाओं का उपयोग विवेक, संतुलन और जिम्मेदारी के साथ करें। हमें यह समझना होगा कि हर सुविधा के साथ एक नैतिक दायित्व भी जुड़ा होता है। अगर हम तकनीक का उपयोग समाज के हित में करें, पर्यावरण का ध्यान रखें और अपने संबंधों को प्राथमिकता दें, तो सुविधाएं हमारे जीवन को समृद्ध बना सकती हैं। सुविधाओं के बरक्स हमें यह सिखाता है कि सच्ची प्रगति केवल भौतिक उन्नति को पाने की अंधी दौड़ में नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय मूल्यों के संरक्षण में है। जब सुविधा और नैतिकता साथ-साथ चलें, तभी एक संतुलित और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।

पानी के लिए जंगर मासूमों को गोद में लेकर नदी से पानी ढो रहीं महिलाएं, कोपरा पारा के 40 परिवार संकट में

बूंद-बूंद पानी को तरसे ग्रामीणर तपती धूप में नदी तक पैदल जा रहीं महिलाएं, अफसर बना रहे प्रस्ताव

कोंडागांव। एक ओर सरकार गांव-गांव तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने और हर घर नल-जल योजना के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं जिला मुख्यालय से महज 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत कुम्हारपारा के कोपरा पारा में ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी में यहां की महिलाएं छोटे-छोटे बच्चों को गोद में लेकर हर दिन चिलचिलाती धूप में आधा से एक किलोमीटर दूर नदी तक पानी भरने जाती हैं। गांव की यह तस्वीर सरकारी योजनाओं और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही उजागर हो रही है। दरअसल हाइवे निर्माण के दौरान मेन पाइपलाइन फूट गया था। तभी से समस्या बनी हुई है। करीब 35 से 40 घरों की इस बस्ती में आज तक एक भी शासकीय हैंडपंप नहीं लगाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से वे पेयजल संकट झेल रहे हैं, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने कभी उनकी सुध नहीं ली। गांव में रहने वाली महिलाओं की सुबह पानी की तलाश से शुरू होती है। सिर पर मटका और गोद में बच्चे लिए महिलाएं उबड़ खाबड़ तपती पगडंडी और तेज धूप के बीच नदी तक पहुंचती हैं और वहां से पानी भरकर घर लाती हैं। मजबूरी ऐसी कि कई बार दिन में दो से तीन बार यह दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने बताया कि बस्ती में केवल तीन से चार घरों में निजी बोरवेल है, लेकिन वहां से पानी लेने के एवज में हर महीने 300 रुपए देने पड़ते हैं। आर्थिक तंगी से जूझ रहे अधिकांश परिवार इतने पैसे देने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए उन्हें नदी का पानी पीने और दैनिक निस्तार के लिए उपयोग करने मजबूर होना पड़ रहा है। जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

नदी ही एक मात्र सहारा है : ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि दूसरी बस्ती में एक हैंडपंप जरूर लगा है, लेकिन वह काफी दूर है और वहां लगे हैंडपंप का पानी लाल हो जाता है। पानी का रंग और स्वाद खराब होने के कारण वह पीने योग्य नहीं है। ऐसे में नदी ही एकमात्र सहारा बचा है। गर्मी बढ़ने के साथ नदी का जलस्तर भी कम होने लगा है, जिससे आने वाले दिनों में संकट और गहराने की आशंका है।

पानी के लिए इतनी जद्दोजहद करनी पड़ेगी पता होता तो शादी नहीं करती : पिंकी चक्रधारी

गोद में 6 माह का बच्चा लेकर पानी भरने पहुंची पिंकी चक्रधारी ने बताया कि गांव में पानी की भारी समस्या है। रोज आधा किलोमीटर दूर नदी से पानी लाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मायके में बोरवेल था, इसलिए इतनी परेशानी कभी नहीं हुई। अगर पहले पता होता कि यहां पानी के लिए इतनी जद्दोजहद करनी पड़ेगी, तो इस गांव में शादी नहीं करती। पिंकी ने बताया कि महिलाएं पीने के लिए रेत हटाकर झिरिया का पानी निकालती हैं, जबकि नदी के गंदे पानी का उपयोग नहाने और कपड़े धोने में किया जाता है।

राशि नहीं मिली सरपंच

हेम कोर्राम ने बताया कि गांव में पानी संकट गंभीर हो गया है। हाईवे निर्माण के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने और टंकी मरम्मत के बाद सप्लाई प्रभावित हुई। महिलाएं पानी के लिए भटक रही हैं। राजस्व ग्राम नहीं होने से 15वें वित्त आयोग की राशि नहीं मिल रही, जिससे नल-जल और विकास कार्य अटके हैं।

निरीक्षण और प्रस्ताव में अटका विभाग

इस गंभीर समस्या के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी केवल निरीक्षण और प्रस्ताव भेजने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार पंचायत और संबंधित विभाग को आवेदन दिया गया, लेकिन न तो कोई स्थायी समाधान निकला और न ही बस्ती में नलकूप खनन का कार्य शुरू हुआ। प्रशासनिक उदासीनता का खामियाजा मासूम बच्चों और महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है।

नलकूल के लिए प्रस्ताव बना रहे है : पीएचई

वीरेंद्र पांडेय, कार्यपालन अभियंता, पीएचई कोण्डागांव ने बताया कि सहायक अभियंता द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के बाद एनएच विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में पेयजल समस्या समाधान के लिए नलकूप खनन कराने प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

कृषि विज्ञान केंद्र नारायणपुर में कृषि अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया बीजीए उत्पादन एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधन का प्रशिक्षण

नारायणपुर। कृषि विज्ञान केंद्र नारायणपुर में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए संतुलित उर्वरक उपयोग, बीजीए उत्पादन एवं हरी खाद का महत्व विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों तक टिकाऊ एवं कम लागत वाली कृषि तकनीकों को पहुंचाना, मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखना तथा वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केवीके के शस्य विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. हरेंद्र टोंडे ने संतुलित उर्वरक प्रबंधन, बीजीए उत्पादन एवं हरी खाद के उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खेतों में आवश्यकता अनुसार संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने से फसल उत्पादन में वृद्धि होती है और मिट्टी की गुणवत्ता लंबे समय तक सुरक्षित बनी रहती है। डॉ. टोंडे ने धान की खेती में बीजीए एवं हरी खाद की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बीजीए वातावरण से नाइट्रोजन लेकर पौधों को उपलब्ध कराता है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और किसानों की खेती लागत घटती है। उन्होंने कहा कि यदि इन तकनीकों को गांव स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए तो किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से किसानों को सरल भाषा में वैज्ञानिक खेती की जानकारी देने तथा आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करने की अपील की। कायक्रम में डॉ. अंकिता सिंह, डॉ. अलिया अफरोज, डॉ. ललित कुमार वर्मा एवं इंद्र कैमरो सहित कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से ग्राम हसलनार के ग्रामीणों को किया जागरूक

कोंडागांव। ग्राम पंचायत हसलनार जिला कोंडागांव (छ.ग.) में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी' द्वारा ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी अधिकारों एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में 'जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रतिभा मरकाम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गायत्री साय एवं थाना प्रभारी मर्दापाल सुशील पटेल व अधिकार मित्र सहित ग्रामवासी' उपस्थित रहे। शिविर में संबोधित करते हुए 'प्रधान न्यायाधीश' ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को न्याय प्राप्त करने का अधिकार है तथा आर्थिक अथवा सामाजिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को महिला अधिकार बाल संरक्षण कानून, घरेलू हिंसा से संरक्षण, साइबर अपराध से बचाव, श्रम कानून तथा लोक अदालत के माध्यम से त्वरित एवं सुलभ न्याय प्राप्त करने संबंधी जानकारी दी गई। इस अवसर पर 'जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश' ने बच्चों को जानकारी देते हुए लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई इसी प्रकार 'सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण' के द्वारा बताया गया कि किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही शिविर में उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति बाल विवाह निषेध अधिनियम, शिक्षा का अधिकार तथा संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों के संबंध में जागरूक किया गया।

न्याय दो या प्राण लो के नारे के साथ बस्तर से रायपुर निकली आदिवासी महिला, संविधान को व्हील चेयर पर रखकर कर रही पदयात्रा

कोण्डागांव। बस्तर जिले की रहने वाली आदिवासी महिला एवं मां दंतेश्वरी की पुजारिन लखमनी बघेल अपनी पैतृक जमीन वापस दिलाने की मांग को लेकर बस्तर से रायपुर तक लगभग 300 किमी की पदयात्रा पर निकली हैं। भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ के बैनर तले चल रही इस न्याय दो या प्राण लो पदयात्रा के तहत लखमनी बघेल अपने समर्थकों और संगठन पदाधिकारियों के साथ कोण्डागांव पहुंचीं। इस पदयात्रा की सबसे खास बात यह रही कि पदयात्री दल भारत के संविधान को व्हील चेयर पर रखकर साथ ले जा रहा है। इसके माध्यम से प्रदर्शनकारी यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि आज देश का संविधान विकलांग हो चुका है और आदिवासी समाज को न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। तपती गर्मी में नंगे पांव चल रहे पदयात्रियों ने कहा कि वे रायपुर पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात करेंगे और सीधे उन्हें ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाएंगे। लखमनी बघेल ने आरोप लगाया है कि उनके पूर्वजों की लगभग 100 एकड़ से अधिक पैतृक भूमि थी, जिसके पुराने रिकॉर्ड और खसरा दस्तावेज आज भी उपलब्ध हैं। लेकिन वर्तमान में उनकी आधे से अधिक जमीन को नजूल घोषित कर दिया गया है और बाहरी लोगों द्वारा उस पर कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कई बार तहसील और प्रशासनिक कार्यालयों में आवेदन देने के बावजूद उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जमीन पर कब्जा करने वालों द्वारा उन्हें लगातार डराया-धमकाया जा रहा है तथा जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। लखमनी बघेल ने कहा कि यह केवल जमीन का विवाद नहीं बल्कि एक आदिवासी परिवार के सम्मान, अस्तित्व और अधिकार का सवाल है। मां दंतेश्वरी की पुजारिन होने के बावजूद उन्हें अपनी ही पुश्तैनी जमीन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री को सौंपे जाने वाले ज्ञापन में मांग की है कि लखमनी बघेल की सम्पूर्ण पैतृक भूमि का निष्पक्ष सीमांकन कराया जाए, पुराने रिकॉर्ड के आधार पर भूमि अधिकार बहाल किए जाएं, अवैध अतिक्रमण हटाया जाए तथा पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। संगठन ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की भी मांग उठाई है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो रायपुर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री निवास के समक्ष शांतिपूर्ण धरना भी दिया जाएगा। पदयात्रा में प्रदेश अध्यक्ष दिनेश आजाद, प्रदेश उपाध्यक्ष सुयल नाग, बस्तर जिलाध्यक्ष आशीष कच्छ, कोण्डागांव जिलाध्यक्ष हेम सिंह मौर्य सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हैं।

बीजापुर के दूरस्थ वनांचल में सरकार की संवेदनशील पहल, गंगालूर जैसे रिमोट एरिया में कुपोषण मुक्त अभियान की बड़ी सफलता

बीजापुर । प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को बीजापुर जिले में लगातार जमीन पर उतारा जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से अब दूरस्थ अंचलों में भी बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी का प्रेरणादायी उदाहरण है बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र कोटिया पारा का ढाई वर्षीय बालक अरुण हेमला, जिसने सतत देखभाल, सही पोषण और सामुदायिक सहयोग से कुपोषण को मात देकर सामान्य श्रेणी में वापसी की है। यह कहानी केवल एक बच्चे के स्वस्थ होने की नहीं, बल्कि शासन की योजनाओं, विभागीय प्रतिबद्धता और सामुदायिक सहभागिता की जीवंत मिसाल है। अरुण हेमला, पिता मंगू हेमला एवं माता शर्मीला हेमला का जन्म 21 दिसंबर 2023 को हुआ था। जन्म के समय उसका वजन 2.500 किलोग्राम था। बार-बार बीमार पड़ने तथा घर में पर्याप्त भोजन नहीं कर पाने के कारण उसका वजन लगातार कम बना रहा। अप्रैल 2025 में स्थिति गंभीर होने पर उसे पोषण पुनर्वास केंद्र बीजापुर में भर्ती कराया गया, जहां भर्ती के समय उसका वजन मात्र 8.600 किलोग्राम था, जो उसकी उम्र के अनुसार अत्यंत कम माना गया। पोषण पुनर्वास केंद्र से डिस्चार्ज होने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने अरुण के स्वास्थ्य सुधार को मिशन की तरह लिया। पर्यवेक्षक उषा वर्मा के मार्गदर्शन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मुमीता सोरी, सहायिका सोनिया माज्जी, मितानिन देवली वाचम एवं ए.एन.एम. शोभा किरण मिंज ने लगातार समन्वित प्रयास किए। टीम ने घर-घर जाकर न केवल बच्चे की निगरानी की, बल्कि परिवार को पोषण, स्वच्छता और संतुलित आहार के प्रति जागरूक भी किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि अरुण घर पर अकेले भोजन नहीं करता था, लेकिन आंगनबाड़ी केंद्र में अन्य बच्चों के साथ बैठकर पूरा भोजन कर लेता था। इसके बाद माता-पिता को नियमित रूप से बच्चे को आंगनबाड़ी केंद्र भेजने के लिए प्रेरित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा हर सप्ताह बच्चे का वजन लिया गया तथा परिवार को भोजन की थाली में अनाज, दाल, सब्जी और फल जैसे चार रंगों को शामिल करने की जानकारी दी गई। केंद्र में प्रतिदिन गर्म पका भोजन एवं रेडी-टू-ईट पोषण आहार उपलब्ध कराया गया। साथ ही मितानिन द्वारा दस्त एवं निमोनिया जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए गए। लगातार 13 महीनों तक चले इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया और मई 2026 में अरुण का वजन बढ़कर 10.600 किलोग्राम पहुंच गया। अब वह अपनी उम्र के अनुसार सामान्य श्रेणी में शामिल हो चुका है। उसके चेहरे पर लौटी मुस्कान और आंखों की चमक इस बात का प्रमाण है कि सही समय पर सही देखभाल से कुपोषण जैसी समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। अरुण की मां शर्मीला हेमला बताती हैं कि पहले उन्हें अपने बेटे की हालत देखकर हमेशा डर लगा रहता था, लेकिन आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लगातार घर पहुंचकर समझाइश दी और बच्चे की देखभाल में सहयोग किया। अब अरुण स्वयं भोजन मांगकर खाता है और पहले से कहीं अधिक सक्रिय एवं स्वस्थ है। पर्यवेक्षक उषा वर्मा ने कहा कि अरुण की सफलता यह साबित करती है कि यदि आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य विभाग और मितानिन मिलकर कार्य करें तथा परिवार का सहयोग मिले। तो हर बच्चे को कुपोषण से बाहर निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित पोषण अभियान और कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिले में लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने निवास कार्यालय में महान क्रांतिकारी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीर सावरकर केवल स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी ही नहीं बल्कि राष्ट्रचेतना, साहस और सामाजिक जागरण के प्रखर प्रतीक थे। उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए अपना संपूर्ण जीवन संघर्ष और तपस्या में समर्पित किया। कठिन परिस्थितियों और यातनाओं के बावजूद उनका राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत संकल्प कभी डगमगाया नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर सावरकर ने समाज में व्याप्त छुआछूत और भेदभाव जैसी कुरीतियों के खिलाफ भी मुखर होकर आवाज उठाई और सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का सतत प्रयास किया। उनकी लेखनी, विचार और कर्म आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित, आत्मगौरव और सामाजिक सदभाव की प्रेरणा देते हैं।

जन्म, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों का मौके पर वितरण, योजनाओं की जानकारी देकर बढ़ाया ग्रामीणों का भरोसा

सुकमा के अंतिम छोर सिंदुरगुड़ा-किस्टाराम तक पहुंचा सुशासन तिहार, आयोग सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

सुकमा। जिले के अतिसंवेदनशील एवं दूरस्थ क्षेत्र सिंदुरगुड़ा और किस्टाराम, जिन्हें सुकमा जिले का अंतिम छोर माना जाता है, वहां आयोजित सुशासन तिहार एवं बस्तर मुक्ते अभियान के विशेष शिविर में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। दुर्गम वनांचल में आयोजित इस शिविर ने शासन और ग्रामीणों के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम तैयार किया, जहां विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ कई समस्याओं का मौके पर निराकरण भी किया गया। शिविर में पहुंची आयोग सदस्य दीपिका शोरी ने सर्वप्रथम आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पंचायत विभाग के कार्यों की जानकारी ली तथा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित और संवेदनशीलता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए।

दीपिका शोरी ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली, कृषि, राशन, आवास सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। आयोग सदस्य ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन तिहार के माध्यम से स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनका निराकरण कर रही है। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल औपचारिकता नहीं बल्कि आम जनता को त्वरित राहत प्रदान करना है।

प्रमाण पत्रों का मौके पर वितरण, ग्रामीणों में दिखी खुशी

शिविर के दौरान जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं निवास प्रमाण पत्रों का मौके पर ही वितरण किया गया। लंबे समय से इन दस्तावेजों की प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीणों को शिविर स्थल पर ही प्रमाण पत्र मिलने से उनके चेहरे खिल उठे। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई ताकि ग्रामीण शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठा सकें।

पीएम आवास निर्माण में तेजी लाने की अपील

आयोग सदस्य दीपिका शोरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों से जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पक्के आवास से ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आता है और शासन इसके लिए निरंतर प्रयासरत है।

गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम ने जोड़ा सामाजिक सरोकारों से

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम भी शिविर का आकर्षण रहा। गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में आयोग सदस्य ने सहभागिता करते हुए विभागीय कार्यों की सराहना की।

कई विभागों की अनुपस्थिति बनी चर्चा का विषय

हालांकि शिविर के दौरान कई महत्वपूर्ण विभागों की अनुपस्थिति भी देखने को मिली। राशन कार्ड, खाद-बीज एवं कृषि संबंधी जानकारी के लिए पहुंचे ग्रामीण संबंधित अधिकारियों की तलाश करते नजर आए। ग्रामीणों ने बताया कि नवीन राशन कार्ड से राशन प्राप्ति, कृषि कार्य हेतु खाद-बीज की उपलब्धता तथा अन्य विभागीय जानकारियों के लिए उन्हें भटकना पड़ा। शिविर में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय उपस्थिति तो रही, लेकिन खाद्य, कृषि तथा कुछ अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इससे कई ग्रामीणों की समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं हो सका।

सुशासन तिहार कोई मजाक नहीं, संवेदनशीलता से करें कार्य : दीपिका शोरी

जब ग्रामीणों की शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों के कर्मचारियों को बुलाने का प्रयास किया गया और वे उपस्थित नहीं मिले, तब आयोग सदस्य दीपिका शोरी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार कोई मजाक या टाइमपास का कार्यक्रम नहीं है। ग्रामीण विष्णुदेव साय सरकार पर भरोसा करके अपनी समस्याएं लेकर शिविरों में पहुंच रहे हैं। उन्हें शत-प्रतिशत लाभ मिले, यह सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा। केवल उपस्थिति दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समस्याओं का समाधान भी सुनिश्चित होना चाहिए।

शासन और जनता के बीच भरोसे की मजबूत कड़ी बने सुशासन तिहार

दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्र सिंदुरगुड़ा एवं किस्टाराम में आयोजित यह शिविर इस बात का उदाहरण बने कि शासन अब गांवों तक पहुंचकर सीधे लोगों की समस्याएं सुन रहा है। आयोग सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी की सक्रिय उपस्थिति, ग्रामीणों से सीधा संवाद, प्रमाण पत्रों का वितरण और विभागीय जवाबदेही को लेकर दिए गए स्पष्ट संदेश ने शिविर को प्रभावी बनाया। ग्रामीणों ने भी उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा और शासन की योजनाओं का लाभ वास्तव में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। सुशासन तिहार के माध्यम से सरकार और ग्रामीणों के बीच विश्वास का रिश्ता और अधिक मजबूत होता दिखाई दिया।

संक्षिप्त समाचार

मई माह में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 30 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत 30 रेल परिवार के सदस्य माह मई 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हुये । मंडल सभाकक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रुखैयार द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज,सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया । इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया । समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, मंडल कल्याण निरीक्षक एवं कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित रहे । मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 30 रेल परिवार के सदस्यों में विद्युत विभाग से 10, इंजीनियरिंग विभाग से 04, परिचालन विभाग से 06, वाणिज्य विभाग से 05, मेकेनिकल विभाग से 02, कार्मिक विभाग से 01, सुरक्षा विभाग से 01 तथा सिग्नल व दूरसंचार विभाग से 01 कर्मचारी शामिल हैं । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी तथा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई ।

खाद्य विभाग की छापामार कार्रवाहीः 11 दुकानों की जांच में 28 किलो फल्ल मिले खराब, खाद्य विभाग ने करवाया नष्ट

कोरबा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी संघर्ष कुमार मिश्र के नेतृत्व में विभागीय टीम द्वारा कोरबा शहर के पुराना बस स्टैंड, पॉवर हाउस रोड एवं बुधवारी बाजार क्षेत्र में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान राजा नारियल पानी एवं फ्रूट सेंटर, राजेश फ्रूट सेंटर, सरवमंगला फ्रूट सेंटर, माँ शारदा फ्रूट सेंटर, चैरसिया फ्रूट सेंटर सहित कुल 11 दुकानों का गहन निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान दुकानों में 15 किलो आम, 4 दर्जन केला, 2 किलो अनार, 7 किलो खरबूजा खराब अवस्था में पाए गए, जिन्हें बेचने हेतु रखा गया था। टीम ने तत्काल सभी खराब फलों को नष्ट करवाया। यह कार्यवाही खाद्य सुरक्षा आयुक्त श्री दीपक अग्रवाल, छत्तीसगढ़ के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के अंतर्गत की जा रही है, जो 28 एवं 29 मई 2026 तक संचालित रहेगा। इसका उद्देश्य आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण फल उपलब्ध कराना है। साथ ही, टीम द्वारा कृत्रिम मिठास (सैकरीन) एवं कार्बाइड से फल पकाने जैसे अवैध तरीकों की भी जांच की जा रही है। निरीक्षण के दौरान जिन फल विक्रेताओं के पास फूड लाइसेंस नहीं पाया गया, उन्हें तत्काल लाइसेंस बनवाने के निर्देश दिए गए तथा आगे कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी प्रदान की गई।

चोरी का शिकार हुआ मुंबई व्यापारीः पुलिस, सीएसटी विभाग से किया परेशान, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स के पदाधिकारियों का मिला सहारा

कोरबा। मुंबई से आकर छत्तीसगढ़ में चांदी के जेवरातों की सप्लाई करने वाला एक व्यापारी पहले चोरी का शिकार हुआ, फिर पुलिस ने नहीं सुनी और मामला जीएसटी में ले जाकर फंसा दिया। अब केंद्रीय जीएसटी के अधिकारियों की मनमानी से वह परेशान हो गया है। उस व्यापारी के चोरी गए लगभग 10 किलो चांदी की रिपोर्ट लिखने से कोरबा पुलिस इनकार कर रही है तो वहीं चोरी होने से बच गई चांदी को जप्त कर उसके कागजात जीएसटी ऑफिस को भेज दिए गए। अब जीएसटी ऑफिस के अधिकारी-कर्मचारी व्यापारी को परेशान करने लगे तो व्यापारियों और छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी ने जीएसटी ऑफिस जाकर अधिकारी से सवाल-जवाब किया। जानकारी के मुताबिक मुंबई का एक व्यापारी संजय कुमार बाहेती लगभग 23 किलो चांदी के जेवरात लेकर अंबिकापुर से एक बस में सवार होकर 13 मई को रायपुर जा रहा था। कोरबा जिले के बांगो थाना अंतर्गत एक होटल में जब बस रात को लगभग 1 बजे रुकी तो संजय ने अपने पास रखे 23 किलो चांदी से भरे तीन बैग सीट पर छोड़ा और नीचे लघुशंका के लिए उतर गया।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अंतर्गत मंडल में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया..

- एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित
- रेलवे कॉलोनियों से स्टेशनों तक चला हरित अभियान, बच्चों ने योग से दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 27 मई 2026 को मंडल के सभी विभागों के समन्वय से कार्यालय परिसरों, रेलवे कॉलोनियों, विद्यालयों एवं आसपास के क्षेत्रों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। मंडल के बिलासपुर, चाम्पा, रायगढ़, कोरबा, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया सहित सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर वृक्षारोपण एवं हरितीकरण संबंधी गतिविधियाँ संचालित की गईं। इसके साथ ही रेलवे कॉलोनियों एवं पार्कों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर सार्वजनिक सुविधाओं की साफ-सफाई एवं रख-रखाव सुनिश्चित किया गया। आज दिनांक 28 मई 2026 को मंडल के नॉर्थ इंस्टीट्यूट, बिलासपुर में बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए योग के विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया तथा नियमित योग, शारीरिक सक्रियता एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व का संदेश दिया। इस प्रेरणादायक आयोजन ने स्वस्थ, अनुशासित एवं पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पहल पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ, स्वस्थ तथा हरित भविष्य के निर्माण के प्रति बिलासपुर मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न.....

बिलासपुर। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक आज दिनांक 29 मई 2026 को संपन्न हुई । बैठक में अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री के.श्रीनिवास,अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे. एस. मीना एवं समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे । उक्त बैठक में रेलवे बोर्ड के मानक कार्यसूची के अनुसार पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जनवरी-मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में हुई राजभाषा प्रगति की मदवार समीक्षा की गई अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज की बैठक में प्रदर्शित आंकड़े पिछली तिमाही की तुलना में संतोषजनक है 7 उन्होंने महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में संपन्न क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पिछली बैठक में महाप्रबंधक महोदय द्वारा दिये गए निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया । साथ ही उन्होंने समस्त शाखाधिकारी से अनुरोध किया कि अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच नियमित बैठक का आयोजन कर राजभाषा प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा करें । समिति के अध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने कहा कि अधिकारीगण स्वयं राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें एवं अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में कार्य करने के लिये प्रेरित एवं प्रोत्साहित करें । राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियां निर्बाध रूप से चलता रहे ताकि अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच राजभाषा में कार्य करने का उत्साह बना रहे । बैठक का संचालन प्रभारी राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रूखैयार ने किया

अमर अग्रवाल की पूज्य माताजी की स्मृति में लगाया गया वाटर कूलर....

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा के पितृपुरुष स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी की धर्मपत्नी एवं बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल की पूज्य माताजी की स्मृति में जीडीसी कॉलेज के समीप जनसुविधा हेतु वाटर कूलर स्थापित किया गया। इस स्थान पर पूर्व में भी आमजन की सुविधा के लिए वाटर कूलर लगाया गया था। इस वर्ष भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पूर्व में लगाए गए वाटर कूलर के स्थान पर अधिक क्षमता वाला लगभग 80 लीटर का बड़ा एवं स्वच्छ वाटर कूलर लगवाया गया है, जिससे राहगीरों, विद्यार्थियों एवं क्षेत्रवासियों को शीतल पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। उपस्थित जनों ने कहा कि यह पहल गर्मी के मौसम में आमजन को राहत पहुंचाने वाली महत्वपूर्ण जनसेवा है। इस अवसर पर महापौर पूजा विधानी, आदित्य अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण दुबे, अजीत भोगल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष स्नेहलता शर्मा, पार्षद संजय यादव, विजय ताम्रकार, शेखर पाल, जगदीश साव, शैलेन्द्र यादव, बबलू, मनोज सोनी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष वैभव गुप्ता, रोशन सिंह, महर्षि बाजपेयी, नितिन छाबड़ा, विवेक ताम्रकार, संजय गुप्ता, नारायण गोस्वामी, अमित चतुर्वेदी, संस्कार सोनी सहित महिला मोर्चा के पदाधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सड़कों की बदहाली स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, डीबीएल कंपनी गेट पर किया धरना

कोरबा। जिले में कुदमुरा-स्यांग और बरपाली-दादरपारा मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ सर्व आदीवासी समाज के जिला अध्यक्ष अएक्सएन्डर टोप्पो के नेतृत्व में ग्रामीणों ने डीबीएल कंपनी के गेट पर धरना और गेट जाम आंदोलन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, युवा और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सुबह से ही जिल्गा और दादरपारा के पास स्थित डीबीएल कंपनी के प्लांट और यार्ड के मुख्य गेट पर लोग एकत्र हो गए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर सड़क मरम्मत और धूल-कीचड़ की समस्या से राहत दिलाने की मांग करते हुए नारेबाजी की। ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में कुदमुरा-श्याग रोड और बरपाली- दार्रापारा रोड की तत्काल मरम्मत शामिल रही। इसके अलावा भारी वाहनों के नियंत्रित संचालन, नियमित पानी छिड़काव और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। ग्रामीणों का आरोप है कि डीबीएल कंपनी के भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं। इससे स्कूली बच्चों, मरीजों और गर्भवती महिलाओं को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आंदोलन के दौरान कंपनी प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच विस्तृत चर्चा हुई। इससे पहले आंदोलनकारियों द्वारा जिला प्रशासन को भी ज्ञापन सौंपा गया था। चर्चा के बाद कंपनी प्रबंधन ने सड़क मरम्मत और आवश्यक सुधार कार्य जल्द शुरू करने का लिखित आश्वासन दिया। इसके साथ ही धूल और कीचड़ की समस्या कम करने के लिए नियमित पानी छिड़काव, सड़क समतलीकरण और सुरक्षा संबंधी जरूरी उपाय करने पर भी सहमति बनी।

बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण हेतु बिलासपुर मंडल में नाका टिकट चेकिंग अभियान जारी...

- बिलासपुर स्टेशन में 25 ट्रेनों की जांच, 609 मामलों में 4.02 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा टिकटधारी यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने, यात्रियों में वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री विजय कुमार के निर्देशन एवं वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में दिनांक 21 मई से 14 जून 2026 तक विशेष नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 28 मई 2026 को सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री डी एस चौहान के नेतृत्व में मंडल के बिलासपुर स्टेशन में विशेष नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक, टिकट जांच कर्मचारी (टीटीई) एवं रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सहभागिता रही इस विशेष नाका जांच अभियान के दौरान बिलासपुर स्टेशन एवं यहाँ से गुजरने वाली 25 ट्रेनों की सघन जांच कर कुल 609 मामलों से कुल 4,02,610 रुपये का जुर्माना वसूला गया । जिसमें बिना टिकट यात्रा के 417 मामलों से 03 लाख 07 हजार 800 रुपये, अनियमित टिकट के 180 मामलों से 93 हजार 610 रुपये, बिना बुक किए गए लगेज के 12 मामलों से 1 हजार 200 रुपये जुर्माना शामिल है रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि सुरक्षित एवं सुगम रेल यात्रा के लिए सदैव उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश से पूर्व प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य प्राप्त करें। रेलवे केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि देश की अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर है। इसकी स्वच्छता, सुरक्षा एवं गरिमा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए, स्वच्छ स्टेशन, सुरक्षित यात्रा और अनुशासित रेल परिसर के निर्माण में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

एसईसीएल एवं सीडब्ल्यूसी के बीच रणनीतिक एमओयू कोयला परिवहन एवं रेल लॉजिस्टिक्स को मिलेगा बल

- समर्पित रेल लॉजिस्टिक्स समाधान के माध्यम से कोयला निकासी क्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) एवं सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (सीडब्ल्यूसी) के बीच कोयला लॉजिस्टिक्स, जीपीडब्ल्यूआईएस/समकक्ष योजनाओं के अंतर्गत रेलवे रेक उपलब्धता तथा एकीकृत परिवहन सेवाओं के क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। भारत की ऊर्जा सुरक्षा एवं कोयला लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में एसईसीएल निरंतर कोयला निकासी क्षमता बढ़ाने तथा विभिन्न उपभोक्ता क्षेत्रों को निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु कार्य कर रहा है। सीडब्ल्यूसी के साथ यह साझेदारी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य बिजली, इस्पात, सीमेंट तथा अन्य प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए विश्वसनीय, दक्ष एवं समर्पित रेल लॉजिस्टिक्स समाधान के माध्यम से एसईसीएल की कोयला निकासी क्षमता को और सशक्त बनाना है। एमओयू के अंतर्गत समर्पित रेलवे रेक संचालन, एकीकृत कोयला परिवहन समाधान, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, फर्स्ट-माइल एवं लास्ट-माइल कनेक्टिविटी तथा लॉजिस्टिक्स मॉनिटरिंग एवं परिचालन दक्षता हेतु डिजिटल प्रणालियों के उपयोग जैसे क्षेत्रों में सहयोग किया जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत दोनों संस्थाएं

संयुक्त रूप से जीपीडब्ल्यूआईएस/समकक्ष रेक संचालन, एकीकृत रेल लॉजिस्टिक्स सेवाएं तथा दीर्घकालिक परिवहन समाधान विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य करेंगी, जिससे डिस्पैच दक्षता में वृद्धि एवं लॉजिस्टिक बाधाओं में कमी आएगी। यह समझौता एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन तथा सीडब्ल्यूसी के प्रबंध निदेशक श्री संतोष सिन्हा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर एसईसीएल के कार्यात्मक निदेशकगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं सीडब्ल्यूसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। एसईसीएल देश की बढ़ती कोयला मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कोल इंडिया लिमिटेड ने 100 मिलियन टन उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है, जिसमें एसईसीएल ने 26.8 मिलियन टन से अधिक उत्पादन कर अग्रणी योगदानकर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (सीडब्ल्यूसी) भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम है, जिसे एकीकृत लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग सेवाओं, रेल-आधारित माल परिवहन तथा मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्टेशन समाधानों के क्षेत्र में व्यापक अनुभव प्राप्त है।

महापौर ने किया निगम कार्यालय साकेत भवन का औचक निरीक्षण

कोरबा। महापौर संजूदेवी राजपूत ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित विभिन्न विभागों व शाखाओं का औचक निरीक्षण करते हुये वहाँ की स्वच्छता व साफ-सफाई, नस्तियों, दस्तावेजों का व्यवस्थीकरण सुनिश्चित किये जाने के साथ-साथ विभिन्न विभागों व शाखाओं में आवश्कतानुसार फर्नीचर, कूलर आदि की व्यवस्था तथा विभिन्न कार्यों हेतु निगम कार्यालय पहुंचने वाले आमनागरिकों के बैठने की व्यवस्था भी विभागों व शाखाओं में किये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। निरीक्षण के दौरान कार्य स्थल पर अनुपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को शो-काज नोटिस दिये जाने के निर्देश भी दिये। महापौर श्रीमती राजपूत ने निगम कार्यालय साकेत भवन स्थित विभिन्न विभागों, शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया, उन्होने निर्माण शाखा, स्थापना शाखा, लेखा शाखा, राजस्व, योजना, भवन निर्माण, संपदा, सम्पत्तिकर शाखा, स्वच्छता शाखा, जलकर विभाग, स्टेशनरी शाखा, जन्म-मृत्यु पंजीयन विभाग, कैश शाखा, विधि विभाग, जनसंपर्क शाखा, स्टोर व उद्यान शाखा, विद्युत विभाग, डाटा सेंटर, परिषद शाखा सहित अपर आयुक्त कक्ष, उपायुक्त कक्ष, अधीक्षण अभियंता कक्ष सहित विभिन्न अधिकारियों के कक्षों का औचक निरीक्षण करते हुये वहाँ की साफ-सफाई व स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं का सघन रूप से निरीक्षण किया।

हाई बीपी की है शिकायत तो नाश्ते में भूल से भी ना खाएं ये चीजें

अगर आपको हाई बीपी की शिकायत है तो ऐसे में आपको अपने खान-पान का जरूर ध्यान रखना चाहिए। ऐसे कई फूड्स हैं, जिन्हें हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में खाने से बचना चाहिए।

नाश्ता दिन का पहला मील होता है और इसलिए इसका सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। यही कारण है कि आपको अपने नाश्ते का खास ख्याल रखना चाहिए। अमूमन जब आप नाश्ता बनाते हैं तो आपको अपनी हेल्थ कंडीशन पर फोकस करना चाहिए। मसलन, अगर आपको हाई बीपी है तो आपको नाश्ते में कुछ फूड आइटम्स को अवॉयड करना चाहिए। आहार आपके बीपी पर बहुत प्रभाव डाल सकता है। अगर आप सोच-समझकर अपना नाश्ता नहीं बनाते हैं तो इससे आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और आपको परेशान कर सकता है। हाइपरटेंशन समय के साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं जैसे हृदय रोग और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, आपको अपने खान-पान को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए।

हाई सोडियम सेरल्स

अधिकतर लोग नाश्ते में सेरल्स खाना काफी पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आपको बीपी की शिकायत है तो आपको नाश्ते में हाई सोडियम सेरल्स खाने से बचना चाहिए। आजकल मार्केट में रेडी-टू-ईट सेरल्स मिलते हैं। इनमें अक्सर अतिरिक्त नमक या फ्लेवरिंग को मिक्स किया जाता है। सोडियम की अधिकता की वजह से इन सेरल्स का सेवन बीपी के मरीजों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए, अगर आपको सेरल्स खाना अच्छा लगता है तो ऐसे में आप कम सोडियम या अनस्वीटन सेरल्स का चयन करें।

फाइड फूड्स

हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में डीप फाइड आइटम्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए। फाइड फूड्स में अनहेल्दी फैट्स कंटेंट काफी अधिक होता है, इसलिए जब आप इसका सेवन करते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ता है। अधिक वजन ब्लड प्रेशर की शिकायत को बढ़ा सकता है।

व्हाइट ब्रेड और पेस्ट्री

हाई बीपी के मरीजों के लिए रिफांइड आटे से बनी आइटम्स जैसे व्हाइट ब्रेड, पेस्ट्री और अन्य बेक्ड सामान का सेवन करने से बचना चाहिए। इस तरह की फूड आइटम्स ब्लड शुगर लेवल में स्पाइक का कारण बन सकते हैं। इतना ही नहीं, इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। जिससे भी आपके ब्लड प्रेशर की समस्या बद से बदतर हो सकती है।

हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स

नाश्ते में डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना बेहद आम है। अमूमन लोग नाश्ते में दूध व दही आदि का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आपको बीपी की समस्या है तो ऐसे में आपको हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे फुल फैट मिल्क, फुल फैट चीज आदि से बचना चाहिए। इन तरह के प्रोडक्ट्स में सैचुरेटिड फैट अधिक पाया जाता है। इसलिए, इनके सेवन से ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है और ऐसे में आपको हाई बीपी की शिकायत हो सकती है। अगर आप डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स की जगह स्किम्ड मिल्क आदि का सेवन करना चाहिए।

क्या सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है व्हाइट सॉस पास्ता? क्या कहता है आयुर्वेद

आजकल खान-पान में कई बदलाव होने लगे हैं। इंडियन कुजीन के साथ और भी कई तरह की कुजीन हमारी डाइट का हिस्सा बन चुकी हैं। पिज्जा, पास्ता और मोमो समेत कई चीजें आजकल लोगों को और खासकर बच्चों को बेहद पसंद आ रही हैं। व्हाइट सॉस पास्ता भी आजकल लोगों की फेवरेट डिश में से एक बन चुका है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि खाने-पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम रोजमर्रा की जिंदगी में शौक से खाते तो हैं लेकिन असल में ये सेहत के लिए नुकसानदेह है।

आयुर्वेद में खान-पान के तरीके और समय पर काफी जोर दिया जाता है। आज के समय में खान-पान की जिन चीजों का चलन बढ़ गया है, उनमें से कई ऐसी चीजे भी हैं, जिन्हें आयुर्वेद में सेहत के लिए नुकसानदेह बताया गया है। व्हाइट सॉस पास्ता इन्हीं में से एक है। यह क्यों आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है और किस तरह आप इसे हेल्दी तरीके से खा सकती है, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि आजकल लोग जब भी बाहर जाते हैं, तो अक्सर व्हाइट सॉस पास्त ऑर्डर करते हैं। घरों में भी इसे बनाने का चलन बढ़ गया है। लेकिन, आयुर्वेद के अनुसार, यह एक धीमा जहर है, जो आपके शरीर को नुकसान पहुंचा रहा है।

- आयुर्वेद का कहना है कि शरीर में टॉक्सिन्स जमा होना और स्किन से जुड़े डिसऑर्डर के पीछे सबसे बड़ी वजह विरुध्द आहार होता है। विरुध्द आहार यानी खाने की दो ऐसी चीजों को एक साथ मिलाकर खाना, जो प्रकृति में एक-दूसरे के विपरीत हैं और सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं।
- जब आप व्हाइट सॉस बनाते हैं, तो इसमें दूध के साथ नमक मिलाते हैं, ये दोनों चीजें एक साथ लेना आयुर्वेद में सही नहीं बताया गया है।
- अगर आप लंबे समय तक इस कॉम्बिनेशन को खाते हैं, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, स्किन से जुड़ी दिक्कतें हो जाती हैं और अर्थराइटिस भी हो सकती है।
- अगर आप इसे खाना चाहते हैं, तो व्हाइट सॉस बनाते समय रेगुलर मिल्क की जगह प्लांट बेस्ड मिल्क जैसे ओट मिल्क, कोकोनेट मिल्क और सोय मिल्क का इस्तेमाल करें। इससे सेहत को नुकसान नहीं होगा।

शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है योगासन

योगासन करने से पहले और बाद में कुछ बातों का ख्याल रखने की जरूरत होती है, जिससे फिट रहने में मदद मिल सकती है। आइए, यहां एक्सपर्ट से जानते हैं कि फिट रहने के लिए योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन का महत्व सिर्फ भारत ही नहीं, पूरे दुनिया समझ रही है। योगासन हमारे शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है। योगासन करने के अनेक फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं योग करने से पहले और बाद में कुछ बातों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। रोजाना योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए। हिमालयन सिद्धा अक्षर, अक्षार योग केंद्र के फाउडर हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले और बाद में वार्म अप, कूल डाउन और न्यूट्रिशन जैसी चीजों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन से पहले किन बातों का रखें ध्यान?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले ठीक तरह से वार्म अप करना जरूरी माना जाता है। इस दौरान हल्के मूवमेंट करने चाहिए, जिससे ब्लड फ्लो और पलेविसबिलिटी बढ़ती है।

लाइट कार्डियो

योगासन करने से पहले 5-10 मिनट सैर करना, जगह पर ही खड़े रहकर जॉगिंग और जंपिग जैक्स करने की सलाह दी जाती है। क्योंकि यह हार्ट रेट को बढ़ाते हैं।

ज्वाइंट मूवमेंट

योगासन से पहले अपने हाथ, पैर, गर्दन और कंधों के ज्वाइंट्स को मूव करने की सलाह दी जाती है।

कैट-काउ स्ट्रेच

एक्सपर्ट के मुताबिक, पीठ की मूवमेंट के लिए पहले आर्च और राउंड बनाने की सलाह दी जाती है।

सूर्य नमस्कार

पूरे शरीर के वार्म अप के लिए पहले सूर्य नमस्कार के 2-3 राउंड करना फायदेमंद हो सकता है। सूर्य नमस्कार के अनेक फायदे होते हैं।

योगासन करने से पहले क्या खाना चाहिए?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले पोषण से भरपूर भोजन की सलाह दी जाती है, जिससे एनर्जी लेवल बना रहे और किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। योगासन से 2-3 घंटे पहले लाइट डाइट या 30 से 60 मिनट पहले कम मात्रा में स्नेक्स लेने चाहिए। रोजाना योगाभ्यास करने वालों को पूरे दिन हाइड्रेट रहने की सलाह दी जाती है। लेकिन योगासन करने से तुरंत पहले ज्यादा मात्रा में पानी का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद क्या खाना है फायदेमंद?

- योगासन से पहले मुट्ठीभर नट्स और एक केला खाना फायदेमंद हो सकता है।
- एल्मन्ड बटर के साथ सेब को काटकर भी खाया जा सकता है।
- बेरिज के साथ ग्रीक योगर्ट का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।
- योगासन करने के 30-60 मिनट में खाना खा लेना चाहिए, इससे शरीर को रिकवर करने में आसानी होती है।
- योगासन के बाद शरीर को हाइड्रेट करना जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस दौरान खूब सारे फ्लूयड्स शरीर से निकल जाते हैं। योगासन के बाद नारियल पानी का सेवन करना फायदेमंद माना गया है।
- योगासन करने के बाद प्रोटीन पाउडर, फल और पत्तेदार सब्जियों की स्मूदी का सेवन कर सकते हैं। नट्स के साथ ओटमील, सीड्स और फ्रेश फ्रूट्स का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।

योगासन से पहले क्या ना खाएं?

योगासन से पहले भारी और ज्यादा तला-भुना खाने से बचना चाहिए। योगासन से पहले मसालेदार खाने का सेवन नहीं करने की सलाह दी गई है। भारी मात्रा में भी कैफीन का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद किन बातों का रखें ध्यान?

योगासन के बाद कूल डाउन होने की जरूरत होती है, इससे फिट रहने में मदद मिलती है।

शवासन

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन के बाद 5 से 10 मिनट शवासन करना चाहिए, इससे आपके शरीर को आराम तो मिलेगा।

आसान स्ट्रेचिंग

योगासन करने के बाद शरीर के जिन जगहों पर दर्द का अहसास हो रहा है, उसके लिए 30 से 60 सेकेंड स्ट्रेच करें।

डीप ब्रीथिंग

योगासन करने के बाद धीरे और डीप ब्रीथिंग करने की सलाह दी जाती है, इससे नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है।

मेडिटेशन

योगासन के बाद थोड़ी देर का मेडिटेशन भी आपके दिमाग और शरीर को रिलेक्स करने में मदद कर सकता है। मेडिटेशन के अनेक फायदे होते हैं।

सीने में जमा बलगम निकाल देगा घर पर बना यह टॉनिक

आपने अक्सर घर के बड़े-बुजुर्गों में सर्दी-खांसी, जुकाम, हल्के बुखार, बदन दर्द या पेट दर्द जैसी चीजों को ठीक करने के लिए देसी नुस्खे आजमाते देखा होगा। असल में हमारे किचन में मौजूद कई ऐसी चीजें हैं, जिनके गुणों और इस्तेमाल करने के सही तरीके के बारे में अगर हमें जानकारी हो तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है। लेकिन, इनके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लेना भी जरूरी है।

सीने में जमे कफ को बाहर निकालने में भी कई देसी नुस्खे कारगर हैं। अगर आपके सीने में कफ जमा हुआ है, इसकी वजह से आपको सांस लेने में मुश्किल हो रही है, खांसी बहुत है, तो घर पर इस आयुर्वेदिक टॉनिक को बनाएं। आपको आराम मिलेगा। इसे घर में मौजूद औषधीय गुणों से भरपूर कई चीजों की मदद से बनाया जाता है।

सीने में जमे बलगम को निकाल देगा यह देसी टॉनिक

- अजवाइन में मौजूद थाइमोल होता है। यह एंटी-सेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। इससे सर्दी-जुकाम में आराम मिलता है।
- अजवाइन में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स, शरीर को अंदर से मजबूती देती है और इम्यून सिस्टम को ताकत मिलती है।
- इससे सीने की जकड़न दूर होती है और सीने में जमा कफ बाहर निकलने में मदद मिलती है।
- गुड़ एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। इसकी तासीर गर्म होती है।
- सौंठ यानी अदरक पाउडर के साथ इसे लेने से गले की खराश और दर्द दूर होता है।
- गुड़, काली मिर्च, इलायची और सौंठ का यह काढ़ा, मौसमी सर्दी-जुकाम से बचाता है और कफ को भी कम करता है।
- काली मिर्च में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। यह सर्दी-जुकाम और खांसी को कम करती है।

सर्दी-खांसी और कफ के लिए बनाएं यह टॉनिक

सामग्री

- पानी- 1 कप
- गुड़- 1 टेबलस्पून
- हरी इलायची- आधा टीस्पून
- अजवाइन- 1 टीस्पून
- काली मिर्च- आधा टीस्पून
- सौंठ- आधा टीस्पून
- तुलसी के बीज- 4-5
- लौंग- 2

विधि

- पानी को उबलने दें।
- अब इसमें गुड़ मिलाएं और इसे पिघलने दें।
- अब इसमें बाकी सारी चीजें मिला दें।
- इसे धीमी आंच पर पकाएं।
- इसे ठंडा होने पर एक कांच के डिब्बे में बंद करके रखे लें।
- इसे लगभग आधा चम्मच सुबह-शाम शहद या गुनगुने पानी के साथ लें।

एस.आर हॉस्पिटल द्वारा मुख्यमन्त्री कौशल विकास योजना पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को सर्टीफिकेट वितरण किया गया

दुर्ग :- एस.आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर चिखली दुर्ग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना पाठ्यक्रम के वर्ष 2025-26 बैच के जनरल ड्यूटी असिस्टेंट कोर्स के उत्तीर्णविद्यार्थियों को सर्टिफ़िकेट प्रदान किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ के.के.जैन वरिष्ठ चिकित्सक (जनरल फिजीशियन) एवं विशेष अतिथि न्यु प्रेस क्लब ऑफभिलाई के अध्यक्ष अनिल गुप्ता उपस्थित रहेंवहीं अन्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार रमेश गुप्ता वरिष्ठ पत्रकार डॉ कमल किशोर शर्मा एवं समाजसेवी विष्णु पाठक ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान संस्था के चेयरमेन द्वारा किया गया।

इस गरिमामय आयोजन में संस्था के चेयरमेन संजय तिवारी ने सर्वप्रथम विद्यार्थीओं को बधाई दी व संस्था के बारे में जानकारी दी कि संस्था का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना एवं क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना साथ ही विद्यार्थीयों को चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर शिक्षा प्रदान करना है व उन्होंने बताया कि एस.आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर चिखली दुर्ग में डी.फ़ार्मेसी कोर्स एवं पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्स व शासन द्वारा मान्यता प्राप्त मुख्यमन्त्री कौशल विकास योजना के पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है।उन्होंने बताया कि एस.आर रूप के द्वारा सैकड़ों विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात रोजगार भी प्रदान किया गया है।

अतिथि उद्बोधन में डॉ के.के.जैन ने कहा कि कौशल विकास योजना आधारित प्रशिक्षण आज के समय की मांग है एवं विशेष अतिथि अनिल गुप्ता ने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एस.आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर द्वारा किए जा रहे प्रयास अत्यन्त ही सराहनीय है उन्होंने यह भी कहा कि एस.आर हॉस्पिटल द्वारा कौशल विकास योजना के अन्तर्गत विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए मिल का पत्थर साबित हो होगा। वरिष्ठ पत्रकार रमेश गुप्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ कमल किशोर शर्मा एवं समाजसेवी विष्णु पाठक ने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुवे अपनी शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर जे.एन.पाण्डेय,अरविन्द खैरवार,विनीता आंचला,नेहा ठाकुर,फ़ीस साहू ,श्रीमती लीना वर्मा व श्रीमती ज्योति दास व शीतल सिन्हा व अस्पताल के अन्य स्टाफ एवं छात्र छात्राएं मौजूद थे कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन अरविन्द खैरवार ने करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

दीपक नगर वार्ड में 36 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमि पूजन, सड़क और नाली निर्माण से मिलेगी बड़ी राहत

नगर निगम का अधोसंरचना विकास अभियान जारी, वार्ड 23 में होंगे 36 लाख के निर्माण कार्य

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत दीपक नगर वार्ड क्रमांक 23 में नागरिक सुविधाओं के विस्तार एवं आधारभूत अधोसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन महापौर अलका बाघमार द्वारा सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर के उपस्थिति में किया गया। इस दौरान क्षेत्र के नागरिकों की मौजूदगी में लगभग 36 लाख रुपये की लागत से सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों की शुरुआत की गई। भूमि पूजन अंतर्गत सड़क नंबर 1 एवं 2 सहित अन्य स्थानों पर नाली निर्माण कार्य 17.50 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त सड़क नंबर 4 स्थित अनुप गटागट के सामने 9.66 लाख रुपये की लागत से सीमेंटीकरण कार्य तथा सड़क नंबर 6 में 8.50 लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को जल निकासी, आवागमन तथा मूलभूत सुविधाओं में बड़ी राहत मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में चरणबद्ध रूप से विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। नागरिकों को बेहतर सड़क, नाली एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निगम प्रशासन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि बरसात के पूर्व नाली निर्माण एवं जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि नागरिकों को जलभराव जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शेखर चंद्राकर, वार्ड पार्षद मनोज सोनी, रंजीता पाटिल, लोकेश्वरी ठाकुर, युवराज कुंजाम, मनीष कोठारी, पूर्व पार्षद मीना सिंह,विजय जलकारे, अरुण सिंह, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, उप अभियंता अर्पणा मिश्रा सहित वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक, ग्रीष्मकालीन मौसमी बीमारी की रोकथाम पर की गई रायशुमारी

दुर्ग। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए सभी स्तरों पर स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी को सशक्त करने एवं जिला स्तर पर कार्यक्रम को गति प्रदान करने हेतु ज़िला कार्यबल पर्यावरण स्वास्थ्य प्रकोष्ठ समिति की बैठक आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में ग्रीष्मकालीन मौसमी बीमारी की रोकथाम पर रायशुमारी की गई। बैठक में आई.डी.एस.पी. दुर्ग के नोडल अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे ने लू व तापघात के लक्षण और बचाव के उपाय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गर्मी से संबंधित बीमारी के लक्षण - बेहोशी। मांसपेशियों में जकड़न। मिर्गी / दौरा पड़ना। चिड़चिड़ापन, सिर दर्द, अधिक पसीना आना। कमजोरी / चक्कर आना। सांस और दिल की धड़कन तेज होना।

बचाव -पर्याप्त तरल पदार्थों को लें। अपने आप को अच्छे से ढकें। धूप में खेलने से बचे। गाड़ी लॉक ना करे जब बच्चे गाड़ी में हों।

प्राथमिक चिकित्सा के उपाय -बच्चे को तुरंत अंदर या छांव में लाएं। बच्चों के कपड़ों को जहां तक हो सके ढीला कर दे। नल के पानी से पोंछा करें या छिड़काव करें। अगर बच्चे को उल्टियां हों, तो उसे करवट के बल लिटाएं ताकि गले में कुछ ना फंसे।

क्या करें -पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, भले ही आपको प्यास न लगी हो। यात्रा करते समय या जब भी बाहर जायें तो पीने का पानी साथ रखें। ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओ.आर.एस.) का उपयोग करें, और घर के बने पेय जैसे नींबू पानी, छाछ / लस्सी का सेवन करें। अधिक पानी की मात्रा वाले मौसमी फल और सब्जियां खाएं जैसे-तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर, अनानास, ककड़ी, सलाद या अन्य स्थानीय रूप से उपलब्ध फल और सब्जियां। ढीले, सूती वस्त्र पहनें, कोशिश करें कि हल्के रंग के कपड़े पहनें। अपने सिर को ढकें-धूप के सीधे संपर्क में आने के दौरान छाता, टोपी, तौलिया और अन्य पारम्परिक टोपी/गमछा का उपयोग करें।

क्या न करें -कोशिश करें कि धूप में न निकलें, खासकर दोपहर 12.00 बजे से 3.00 बजे के बीच। दोपहर में बाहर होने पर शारीरिक और थका देने वाली गतिविधियों से बचने की कोशिश करें। चरम गर्मी के घंटों के दौरान खाना पकाने से बचें।

लू के लक्षण दिखने पर मितानिन, ए.एन.एम. से ओ.आर.एस. के पैकेट हेतु संपर्क करें यथाशीघ्र किसी नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में उपचार हेतु ले जाएँ। इस हेतु नगरीय निकाय एव शुद्ध पेयजल हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से निरंतर समन्वय बनाया जा रहा है। मितानिन व संबंधित क्षेत्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को पर्याप्त मात्रा में दवाईयों उपलब्ध करा दी गयी है।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर मती योगिता देवांगन, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली आयुक्त मती मोनिका वर्मा, नगर निगम चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थॉमस, एसडीएम धमधा सोनाल डेविड, एसडीएम भिलाई 3 महेश राजपूत, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से कौशल्या गौड़ को मिली श्रवण यंत्र की सौगात

कौशल्या के जीवन में फिर लौटी खुशियों की गूंज

दुर्ग। सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत लगने वाले शिविरों की कड़ी में विगत 23 मई को दुर्ग शहर के पुराना गंज मंडी प्रांगण में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर कई परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया। इसी कड़ी में, वार्ड क्रमांक 26 संतरा बाड़ी की निवासी मती कौशल्या गौड़ भी अपनी समस्या के समाधान की आस लेकर इस शिविर में शामिल हुईं। कौशल्या लंबे समय से सुनने की गंभीर समस्या (श्रवण बाधिता) से जूझ रही थीं, जिसके कारण उनका दैनिक जीवन बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। आसपास की बातें और अपनों की आवाजें स्पष्ट न सुन पाने के कारण वे सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर लगातार एकाकीपन और परेशानियों का सामना कर रही थीं। इस शारीरिक असमर्थता का कोई स्थाई समाधान नहीं मिल पा रहा था। सुशासन तिहार शिविर ने उनकी इस वर्षों पुरानी तकलीफ को चंद मिनटों में दूर कर दिया। शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने कौशल्या जी की समस्या को बेहद गंभीरता से सुना और तत्काल त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव के हाथों कान की मशीन प्रदान की। आधुनिक श्रवण यंत्र की सहायता से अब वे स्पष्ट रूप से सुनने में सक्षम हो गई हैं, जिससे उनके जीवन में पुनः सकारात्मक बदलाव आया है। इस त्वरित समाधान से गदगद कौशल्या गौड़ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन का सहृदय आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जमीनी स्तर पर लगाए जा रहे ये शिविर आम जनता के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं।

सुशासन तिहार समाधान शिविर में 117 आवेदन का निराकरण

अम्लेश्वर पालिका में विष्णु के सुशासन में हो रहा समस्या का समाधान

अमलेश्वर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार की जनकल्याणकारी नीति और विकास परख सोंच को साकार करने दुर्ग जिले के नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में सुशासन तिहार मनाया गया। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विकास मंत्री अरुण साव के दिशा निर्देश व दुर्ग सांसद विजय बघेल के मार्ग दर्शन में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में दिनांक 04, 09 एवं 26 मई 2026 को विभिन्न वार्डों में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सभी विभागों के कुल 295 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 261 आवेदन विभिन्न मांग एवं 34 शिकायत प्राप्त हुई है। कुल 117 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया। शेष प्राप्त सभी आवेदनों का परीक्षण कर उन्हें सम्बंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है। शिविर में शासन के विभिन्न योजनाओं के तहत आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, लर्निंग लायसेंस, श्रम कार्ड, आभा कार्ड, राशन कार्ड का तत्काल निराकरण किया गया। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं को सुपोषण कीट का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आम जनों का स्वास्थ्य परिक्षण कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में जिला प्रशासन की ओर से एडीएम योगिता देवांगन एवं एसडीएम लवकेश ध्रुव द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया। इन जनसमस्या निवारण शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष दयानंद सोनकर, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, पीआईसी सदस्य एवं सम्बंधित वार्ड पार्षद उपस्थित रहे। शिविर के नोडल अधिकारी प्रीति गुप्ता मुख्य नगर पालिका अधिकारी, ढालेंद्र कुमार ठाकुर उप अभियंता, नगर पालिका कर्मचारी एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारी कर्मचारी की उपस्थित रही।

जनपद सदस्य पद हेतु भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र साहू को मिल रहा जबरदस्त जनसमर्थन, कार्यकर्ताओं ने तेज किया जनसंपर्क अभियान

पाटन-अमलेश्वर। जनपद पंचायत पाटन क्षेत्र क्रमांक-04 के उपचुनाव में जनपद सदस्य पद के लिए भाजपा प्रत्याशी सुरेंद साहू को क्षेत्र में जबरदस्त जनसमर्थन मिल रहा है। भाजपा कार्यकर्ता लगातार डोर-टू-डोर जनसंपर्क कर मतदाताओं से संपर्क साध रहे हैं और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी सुरेंद साहू भी भीषण गर्मी और दोपहर की तपिश के बीच घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। इस दौरान मतदाताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन पर मुहर लगाने की अपील की जा रही है। भाजपा कार्यकर्ता सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को लेकर मतदाताओं के बीच पहुंच रहे हैं। त्रिस्तरीय पंचायत जनप्रतिनिधियों से लेकर संसद तक भाजपा की सरकार को मजबूत कर विकास की गति को और तेज करने का संदेश दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर भी कड़ी धूप में कार्यकर्ताओं के साथ लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से ट्रिपल इंजन सरकार को मजबूत बनाने के लिए भाजपा प्रत्याशी सुरेंद साहू के चुनाव चिन्ह झोपड़ी छाप पर मुहर लगाने की अपील की। मीडिया से चर्चा करते हुए रवि सिंगौर ने कहा कि सांकरा और पाहंदा के मतदाता सुरेंद साहू को अपना जनपद सदस्य बनाने का मन बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार दोनों गांवों की तस्वीर बदलने का काम करेगी। इसलिए मतदाता झोपड़ी छाप पर मुहर लगाकर सुरेंद साहू को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प ले चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा कार्यकर्ता चुनाव प्रभारी हर्षा चंद्राकर एवं नेताओं के निर्देशन में लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। निश्चित रूप से 1 जून को क्षेत्र की जनता झोपड़ी छाप पर मुहर लगाकर सुरेंद साहू को भारी मतों से विजयी बनाएगी।

और क्षेत्र के चहुंमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी।

सखी निवास के प्रबंधक, वार्डन एवं केयर टेकर पदों की भर्ती के लिए शुद्धि पत्र जारी, दावा-आपत्ति 3 जून तक आमंत्रित

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा 'मिशन शक्ति' योजना के अंतर्गत संचालित 'सखी निवास' में पदों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर अधिकारिक सूचना (शुद्धि पत्र) जारी की गई है। इस संशोधित अधिसूचना के माध्यम से पूर्व में जारी विज्ञापन की शर्तों में आंशिक बदलाव करते हुए अभ्यर्थियों से दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सखी निवास में प्रबंधक, वार्डन एवं केयर टेकर के पदों पर भर्ती हेतु पूर्व में जारी विज्ञापन में पदों को आरक्षण नियम के अनुसार 'आरक्षित' किया गया था। शासन के नए निर्देशानुसार, उक्त पद सेवा प्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर) के होने के कारण इनमें आरक्षण नियम का पालन किया जाना अनिवार्य नहीं है। अतः शासन के निर्देशों के परिपालन में विज्ञापित आरक्षित पदों को अब 'अनारक्षित' किया गया है। साथ ही, विज्ञापन में उल्लिखित 'सखी निवास के संविदा पदों' के स्थान पर अब इसे 'सखी निवास के सेवा प्रदाता के पदों' पर नियुक्ति के रूप में प्रतिस्थापित किया गया है। इस प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा यह शुद्धि पत्र जारी किया गया है। भर्ती से जुड़े संशोधित नियमों के संबंध में यदि किसी भी आवेदक को कोई आपत्ति हो, तो वे विज्ञापन प्रकाशन के 10 दिवस के भीतर अपनी दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके लिए अंतिम तिथि 03 जून 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक अपनी दावा-आपत्ति स्पीड पोस्ट, ई-मेल, कोरियर के माध्यम से या फिर स्वयं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग) में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इस 'शुद्धि पत्र' का विस्तृत अवलोकन जिले की आधिकारिक वेबसाइट 222.अह्रह्द.द्दश1.द्ध3 एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी के सूचना पटल (नोटिस बोर्ड) पर किया जा सकता है।

दिव्यांग संतोष के जीवन में आई आत्मनिर्भरता की नई सुबह

सुशासन शिविर में मिली बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाइकिल

दुर्ग। सुशासन संकल्प को धरातल पर चरितार्थ करने के उद्देश्य से पूरे जिले में 'सुशासन तिहार 2026' के अंतर्गत जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासनिक सुगमता और लोक-कल्याण को समर्पित इस अभियान के तहत विगत 22 मई को दुर्ग जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम बेलौदी में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर कई जरूरतमंदों के लिए संबल और खुशियों का माध्यम बना, जहां जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए एक दिव्यांग हितग्राही को बड़ी राहत पहुंचाई गई। ग्राम नागपुरा निवासी दिव्यांग संतोष कुमार ठाकुर (पिता दशरू राम ठाकुर) लंबे समय से शारीरिक दिव्यांगता के कारण चलने-फिरने में असमर्थ थे और अपनी दैनिक आवश्यकताओं के लिए पूर्ण रूप से परिजनों अथवा आस-पास के लोगों पर निर्भर थे। जब उन्होंने शिविर में अपनी इस व्यावहारिक कठिनाई को अधिकारियों के समक्ष रखा, तो जिला प्रशासन द्वारा तत्काल औपचारिकताएं पूर्ण कर उनके लिए बैटरी चालित ट्राईसाइकिल स्वीकृत की गई। शिविर के दौरान मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के कर-कमलों से संतोष कुमार ठाकुर को यह आधुनिक बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। विधायक चंद्राकर ने इस अवसर पर कहा कि सुशासन तिहार का मूल लक्ष्य ही यही है कि कोई भी पात्र हितग्राही व्यवस्था की कमियों के कारण शासन की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे।

ट्राईसाइकिल प्राप्त करने के उपरांत भावुक स्वर में संतोष कुमार ठाकुर ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस त्वरित सहायता से अब वे बिना किसी मानवीय सहारे के गरिमापूर्ण ढंग से आवागमन कर सकेंगे, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन-2026 मतदान दलों को दिया गया सघन प्रशिक्षण

दुर्ग। त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में आज बी.आई.टी. दुर्ग के मैकेनिकल हॉल में जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन के लिए गठित मतदान दलों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जनपद पंचायत दुर्ग के रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी देते हुए राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला मास्टर ट्रेनर भुवाल द्वारा मतदान दलों को मतदान केंद्र की स्थापना, मतपत्रों की व्यवस्था तथा मतदान के पश्चात आवश्यक प्रपत्रों को तैयार करने के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही मतदान कर्मियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया ताकि मतदान दिवस पर कोई तकनीकी या व्यावहारिक समस्या न हो।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com